“ दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।”
पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
प्रेरणा भारती
प्रेरणा भारती NEWS NETWORK
www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन
HARIDARSHAN
हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें
मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 142 वर्ष -11 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी 2082 शनिवार (30 मई 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

असम-मेघालय सीमा विवाद समाधान प्रक्रिया तेज करने पर सहमत : मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी, २९ मई, (हि.स.)। असम और मेघालय ने दशकों पुराने अंतरराज्यीय सीमा विवाद के स्थायी समाधान की दिशा में सीमा निर्धारण प्रक्रिया को तेज करने पर सहमति जताई है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच लोक सेवा भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।बैठक में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा का स्वागत किया। असम में नई सरकार के गठन के बाद दोनों राज्यों के बीच यह पहली औपचारिक उच्चस्तरीय वार्ता मानी जा रही है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने सीमा विवाद के दूसरे चरण की प्रगति की समीक्षा की तथा शेष विवादित क्षेत्रों में मैदानी सर्वेक्षण और प्रशासनिक समन्वय को तेज करने पर जोर दिया। दोनों राज्यों के बीच लगभग ८८४ किलोमीटर लंबी साझा सीमा के कई हिस्सों में अभी भी विवाद बना हुआ है।सीमा विवाद के अलावा बैठक में आधारभूत संरचना विकास, सडक़ एवं परिवहन संपर्क, व्यापार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। दोनों मुख्यमंत्रियों ने पूर्वोत्तर राज्यों के बीच बेहतर समन्वय को क्षेत्रीय विकास के लिए आवश्यक बताया।मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार को कहा कि असम और मेघालय केंद्र सरकार की ङ्गएक भारत, श्रेष्ठ भारतङ्घ की भावना के अनुरूप पूर्वोत्तर क्षेत्र की विकास क्षमता को आगे बढाने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, असम-मेघालय सीमा विवाद वर्ष १९७२ से चला आ रहा है, जब मेघालय को असम से अलग कर नया राज्य बनाया गया था। मार्च, २०२२ में दोनों राज्यों ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी में एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत १२ में से छह विवादित क्षेत्रों का समाधान किया गया था।यह बैठक शेष छह विवादित क्षेत्रों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

घुसपैठियों को अमित शाह की चेतावनी- अपने देश लौट जाओ : जो अपने आप वापस नहीं जाएंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी

नई दिल्ली (एजें) २९ मई : अमित शाह ने गुरुवार को गांधीनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल चुनावों के परिणामों का जिक्र किया और कहा- बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने महज सात दिनों में ६०० हेक्टेयर जमीन बीएसएफ को सौंप दी है। हमारी सरकार का दृढ.संकल्प है कि हर घुसपैठिए को देश से बाहर निकाला जाएगा।उन्होंने कहा- पहले ममता बनजी के शासनकाल में हर दिन घुसपैठ होती थी, लेकिन अब घुसपैठिए खुद ही वापस लौटने लगे हैं। मैं घुसपैठियों से कहना चाहता हूं कि समय रहते खुद से अपने देश वापस लौट जाओ।

शाह ने बताया कि अगर लोग अपने आप वापस जाने में असफल रहते हैं, तो सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी मंशा सिर्फ लोगों को स्वदेश लौटाना है। खऊ पहचान अभियान शुरू होने से पहले कई लोग वापस चले जाएंगे, यह उम्मीद है। कुछ ही दिनों के भीतर बांग्लादेश सीमा पर बाड.लगाने का काम शुरू कर देंगेगृहमंत्री ने कहा- पश्चिम बंगाल में नवगठित बीजेपी सरकार ने बांग्लादेश सीमा पर बाडब़ंदी के काम को मजबूत करने के लिए सात दिनों के भीतर BSF को ६०० हेक्टेयर भूमि सौंप दी है। बीजेपी ने राज्य में बॉर्डर पर बाड.लगाने के काम में तेजी लाने के अपने चुनावी वादे को पूरा किया है।उन्होंने कहा- हमने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि यदि आप हमें सत्ता सौंपते हैं तो हम कुछ ही दिनों के भीतर बांग्लादेश सीमा पर बाड.लगाने का काम शुरू कर देंगे। राज्य में BJP की सरकार आने के बाद से प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। केंद्र सरकार ने २६ मई को एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जिससे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई है। अब कई घुसपैठिए भारत छोडऩे पर मजबूर हो गए हैं। अमित शाह ने सीमावती जिलों के लिए ३६० डिग्री सुरक्षा मॉडल का भी जिक्र किया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि अवैध निर्माणों को तुरंत तोडा जाए। इस तरह की कार्रवाई से घुसपैठियों पर कडी नजर रखी जाएगी और उन्हें भारत में रहने का कोई मौका नहीं मिलेगा।

ग्वालपाडा में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से तीन लोगों की मौत

ग्वालपाडा (असम), २९ मई (हि.स.)। असम के ग्वालपाडा जिले के गोरैमारी इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। बताया गया है कि शौचालय के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण तीनों की दम घुटने से मौत हो गई।मृतकों की पहचान कृष्ण दास, विष्णु दास और यशोक राभा के रूप में की गई है। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई।सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरूकर दी है।

मदनपुर गांव के शिव मंदिर के दानपात्र पर गाय का कटा सिर मिलने से इलाके में तनाव

दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग

गौतम सरकार, रामकृष्णनगर, २९ मई :रामकृष्णनगर थाना क्षेत्र के अनिपुर नयाटिला जीपी अंतर्गत तीन नंबर वार्ड स्थित मदनपुर गांव के एक शिव मंदिर के दानपात्र के ऊपर गाय का कटा हुआ सिर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है तथा स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंदिर के समीप रहने वाले एक स्थानीय निवासी ने सबसे पहले इस घटना को देखा। उन्होंने देखा कि शिव मंदिर के दानपात्र के ऊपर किसी ने गाय का कटा हुआ सिर रख दिया है। घटना की खबर फैलते ही आसपास

के लोगों की भारी भीड.मंदिर परिसर में जुट गई। लोगों ने इस घटना की कडी निंदा करते हुए इसे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया।सूचना मिलने पर रामकृष्णनगर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए गाय के कटे सिर को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक घटना में शामिल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।स्थानीय लोगों का कहना है कि हिंदू समाज में गाय को माता के रूप में पूजा जाता है और इस प्रकार की घटना धार्मिक आस्था पर सीधा आघात है। लोगों ने आरोप लगाया कि दुष्कर्मियों ने यह हरकत ईद के दिन माहौल बिगाडऩे की नीयत से की है।क्षेत्रवासियों ने कछार जिले के सीडीएसपी अंशुल शर्मा से मांग की है कि घटना में शामिल दोषियों की जल्द पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों।

शिलचर में १८ करोड.रुपये की याबा टैबलेट बरामद, मणिपुर का एक तस्कर गिरफ्तार

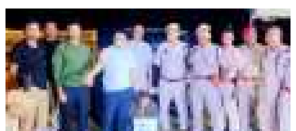

प्रे.सं. शिलचर, २९ मई : कछार पुलिस ने गुरुवार रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक विशेष अभियान में भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मिजोरम की ओर से आ रही एक महिंद्रा बोलेरो वाहन (अड१२ ण ७७४६) को रोककर तलाशी ली, जिसमें से लगभग ६० हजार संदिग्ध याबा टैबलेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।इस मामले में मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में मणिपुर निवासी डामलेन (४४) को गिरफ्तार किया गया है। वह मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के जाओलेन कुम्बिपुखरूगांव का निवासी बताया गया है। पुलिस के अनुसार, बरामद याबा टैबलेट की अंतरराष्ट्रीय काले बाजार में अनुमानित कीमत करीब १८ करोड.रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरूकर दी है। साथ ही इस तस्करी नेटवर्क से जुडे.अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

जुबीन गर्ग हत्याकांड : हाई कोर्ट से श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पुन: खारिज

गुवाहाटी, २९ मई, (हि.स.)। बहुचर्चित जुबीन गर्ग हत्याकांड के मुख्य आरोपी श्यामकानु महंत को एक बार फिर गौहाटी उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली। न्यायमूर्ति मिताली ठाकुरिया की अदालत ने शुक्रवार को महंत की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह दूसरी बार है जब उच्च न्यायालय ने श्यामकानु महंत की जमानत अजी नामंजूर की है।

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

बराकवाणी कार्यालय पर दुष्कर्मियों का हमला, पत्रकार राजू दास गंभीर रूप से घायल, एक आरोपी गिरफ्तार

विशेष प्रतिनिधि शिलचर, २९ मई: बराक घाटी के लोकप्रिय समाचार माध्यम ‘बराकवाणी’ के कार्यालय में गुरुवार को हुए एक सनसनीखेज हमले ने पूरे क्षेत्र में चिंता और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया। इस हमले में बराकवाणी के पत्रकार राजू दास गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना गुरुवार शाम लगभग चार बजे शिलचर के द्वितीय लिंक रोड स्थित ११ नंबर लेन में मौजूद बराकवाणी कार्यालय में हुई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ दुष्कमी अचानक कार्यालय में घुस आए और पत्रकार राजू दास पर हमला कर दिया। इस मामले में राहुल दास नामक व्यक्ति को मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी कार्यालय में प्रवेश करते ही राजू दास को निशाना बनाकर बेरहमी से मारपीट करने लगे। प्रारंभिक अनुमान है कि हाल ही में प्रकाशित

एक खोजी समाचार से नाराज होकर इस हमले को अंजाम दिया गया। बताया जा रहा है कि मुख्य हमलावर के साथ कुछ अन्य लोग भी कार्यालय के बाहर मौजूद थे। उन्होंने कार्यालय का दरवाजा भीतर से बंद कर दिया, जिसके बाद पत्रकार के साथ निर्ममता से मारपीट की गई। हमले में राजू दास के सिर पर गंभीर चोटें आई और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण वह बेहोश हो गए।दुष्कर्मियों ने केवल पत्रकार पर हमला ही नहीं किया, बल्कि कार्यालय में रखे कंप्यूटर, तकनीकी उपकरणों और अन्य मशीनों में भी जमकर तोडफ़ोड. की। बराकवाणी प्रबंधन के अनुसार, इस घटना में लगभग चार लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

घटना की सूचना मिलते ही रंगिरखाडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी राहुल दास को हिरासत में ले लिया है। वहीं घायल पत्रकार राजू दास को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।इस संबंध में बराकवाणी प्रबंधन ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा हमले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

घटना के बाद पत्रकार जगत और सिविल सोसायटी में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। विभिन्न पत्रकार संगठनों ने इस हमले की कडी निंदा करते हुए कहा कि यह केवल एक पत्रकार पर हमला नहीं, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। संगठनों ने सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कडी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गुवाहाटी के लोकभवन के समीप युवक का शव बरामद

गुवाहाटी, २९ मई, (हि.स.)। गुवाहाटी के लोकभवन के समीप एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव जाईका के पानी के टैंक से बरामद किया गया।मृत युवक की पहचान कामेश नामक युवक के रूप में की गई है। बताया गया है कि युवक जाईका में कार्यरत था।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरूकर दी।

असम के तिनसुकिया से उल्फा-आई में शामिल होने के आरोप में तीन युवक हिरासत में

तिनसुकिया (असम), २९ मई (हि.स.)। असम के तिनसुकिया जिले में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) में शामिल होने की कथित कोशिश के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लिया है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए युवकों की पहचान नंबर-२ नलोनी गांव निवासी बिजॉय मोरान (२८), नंबर-२ टेकेरी गांव निवासी अंतु मोरान (३४) तथा न्यूटन मोरान (२२) के रूप में हुई है। तीनों पेंगेरि थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।जानकारी के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ये युवक संगठन के संपर्क में आने और उसमें शामिल होने की योजना बना रहे थे। इसके आधार पर पुलिस ने एक विशेष अभियान चलकर उन्हें हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीनों से पूछताछ की जा रही है ताकि उनके संभावित संपर्कों, भती नेटवर्क और इस गतिविधि से जुडे. अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।उल्लेखनीय है कि, ऊपरी असम और अरुणाचल प्रदेश से सटे इलाकों में हाल के दिनों में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने उग्रवादी गतिविधियों, ओवर ग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) तथा भती नेटवर्क के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। सीमावती क्षेत्रों में निगरानी भी बढा दी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

विधायक कौशिक राय शिलचर स्पोर्टिंग क्लब द्वारा सम्मानित

प्रे.सं.शिलचर, २९ मई : बराक घाटी के सबसे पुराने खेल संगठन, सिलचर स्पोर्टिंग क्लब ने नव निर्वाचित विधायक और असम सरकार के पूर्व मंत्री कौशिक रॉय से शिष्टाचार भेंट की और उनका हार्दिक स्वागत एवं शुभकामनाएं दीं। आज क्लब के अधिकारी विधायक के बारासांगन स्थित आवास पर उनसे मिलने गए और उन्हें क्लब की ९०वीं वर्षगांठ के समारोह में आमंत्रित किया।इस दिन क्लब अध्यक्ष डॉ. अनुप कुमार रॉय ने विधायक को सूचित किया कि ब्रिटिश काल में स्थापित सिलचर स्पोर्टिंग

क्लब इस वर्ष ९० वर्ष का हो गया है। उन्होंने बताया कि वे इसके ९० वर्षों के लंबे इतिहास का जश्न मनाना चाहते हैं और इसके लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। सिलचर स्पोर्टिंग क्लब की स्थापना ब्रिटिश काल में इंडिया क्लब के बाद हुई थी और बाद में टाउन क्लब का गठन हुआ। अध्यक्ष अनुप रॉय ने विधायक को बताया कि ये तीनों क्लब ब्रिटिश काल में स्थापित हुए थे और आज भी खेल जगत के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।जब विधायक कौशिक रॉय को पता चला कि सिलचर स्पोर्टिंग बराक घाटी में ब्रिटिश काल में स्थापित दूसरा सबसे पुराना खेल संगठन है, तो वे क्लब से संबंधित विभिन्न मामलों को लेकर बेहद उत्साहित हुए। विधायक राय ने चालीस मिनट तक सौहार्दपूर्ण माहौल में सिलचर में खेल जगत से जुडे.विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें मैदान की वर्तमान स्थिति, मैदान का स्थान, मैदान के आसपास की

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

यशोदा हॉस्पिटल के स्पेशलिस्ट का कहना है कि मॉडर्न इलाज से ब्लड कैंसर का इलाज काफी हद तक मुमकिन हो गया है

डिब्रूगढ:(अर्णव शर्मा) २९ मई : उम्मीद और जागरूकता का एक मजबूत संदेश देते हुए, हैदराबाद के हाईटेक सिटी में यशोदा हॉस्पिटल के सीनियर हेमेटोलॉजिस्ट डॉ. गणेश ने इस बात पर जोर दिया कि ब्लड कैंसर अब बिना उम्मीद वाली बीमारी नहीं रही। आज डिब्रूगढ.में मीडिया से बातचीत में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मेडिकल साइंस में हुई तरक्की ने ज़्यादातर ब्लड कैंसर का इलाज काफी हद तक मुमकिन बना दिया है और कई मामलों में, इलाज भी मुमकिन हो गया

है।मीडिया के सदस्यों को संबोधित करते हुए, डॉ. गणेश ने पत्रकारों और कम्युनिटी लीडर्स से समाज में, खासकर असम और नॉर्थईस्ट में, यह पॉजिटिव संदेश फैलाने में मदद करने की अपील की कि मॉडर्न इलाज ब्लड कैंसर के मरीजों के लिए नतीजे बदल रहे हैं।यशोदा हॉस्पिटल ब्लड डिसऑर्डर के इलाज के लिए भारत के लीडिंग सेंटर्स में से एक बनकर उभरा है, जिसने ६०० से ज़्यादा बोन मैरो ट्रांसप्लांट (BMTs) सफलतापूर्वक किए हैं। डॉ. गणेश ने खुद अपने दो दशक से ज़्यादा के शानदार मेडिकल करियर में ५०० से ज़्यादा मुश्किल मामलों का इलाज किया है।ब्लड कैंसर के नेचर के बारे में बताते हुए, उन्होंने तीन मुख्य

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

ईरान-अमेरिका टकराव और भारत की अर्थव्यवस्था: चुनौती भी, अवसर भी

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढता तनाव केवल दो देशों का राजनीतिक या सैन्य विवाद नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पडता है। भारत जैसे विकासशील और ऊर्जा-निर्भर देश के लिए यह टकराव विशेष चिंता का विषय बन जाता है। कच्चे तेल की कीमतों से लेकर व्यापार, महंगाई, विदेशी निवेश और आम जनता की जेब तक्रहर क्षेत्र पर इसका असर दिखाई देता है। भारत दुनिया के सबसे बडे.तेल आयातक देशों में शामिल है। देश अपनी जरूरत का लगभग ८५ प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है। ऐसे में जब भी ईरान-अमेरिका के बीच तनाव बढता है, खाडी क्षेत्र में अस्थिरता पैदा होती है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें ऊपर चली जाती हैं। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पडता है। पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, परिवहन लागत बढती है और अंततः रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम भी बढ़ने लगते हैं। यानी महंगाई का बोझ आम जनता को उठाना पडता है।

ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति के विकल्प भी सीमित किए हैं। कभी भारत के लिए ईरान सस्ता और भरोसेमंद तेल आपूर्तिकर्ता था। भारत को भुगतान और परिवहन में भी कई सुविधाएं मिलती थीं। लेकिन अमेरिकी दबाव और प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरानी तेल आयात लगभग बंद करना पडा। इससे भारत को महंगे विकल्पों की ओर जाना पडा, जिससे व्यापार घाटा बढा और विदेशी मुद्रा पर दबाव आया। यह तनाव केवल तेल तक सीमित नहीं है। यदि खाडी क्षेत्र में संघर्ष बढता है, तो समुद्री व्यापार मार्ग विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित हो सकता है। दुनिया के बडे.हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। भारत का बडा व्यापार भी इसी रास्ते से जुडा है। किसी भी प्रकार की बाधा से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी और भारतीय उद्योगों पर दबाव बढेगा। इसके अलावा, खाडी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। यदि क्षेत्रीय अस्थिरता बढती है, तो वहां रोजगार और सुरक्षा पर खतरा पैदा हो सकता है। इसका असर भारत में आने वाले विदेशी मुद्रा प्रेषण (ठशाळीींरपलश) पर भी पडेगा, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

हालांकि हर संकट अपने साथ कुछ अवसर भी लाता है। ईरान-अमेरिका तनाव ने भारत को ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने का संदेश दिया है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और घरेलू उत्पादन पर जोर अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है। साथ ही भारत ने रूस, अमेरिका और अन्य देशों से संतुलित ऊर्जा आयात नीति अपनाकर अपनी कूटनीतिक क्षमता भी दिखाई है। भारत की सबसे बडी ताकत उसकी संतुलित विदेश नीति है। भारत ने हमेशा अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संबंध बनाए रखने का प्रयास किया है। यही संतुलन भविष्य में भारत के आर्थिक हितों की रक्षा में अहम भूमिका निभाएगा। स्पष्ट है कि ईरान और अमेरिका का टकराव भारत के लिए आर्थिक चुनौती पैदा करता है, लेकिन यह आत्मनिर्भर ऊर्जा नीति, वैकल्पिक व्यापार मार्ग और मजबूत कूटनीति की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। आने वाले समय में भारत को केवल प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की रणनीति पर गंभीरता से काम करना होगा।

धार से इंडोनेशिया और वॉशिंगटन तक गूंजती ज्ञान की संस्कृति

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

धार में भोजशाला मां सरस्वती के स्थल को लेकर न्यायालय का आज जो निर्णय आया है, वास्तव में यह उस सनातन चेतना की वैश्विक स्वीकृति है, जिसने हजारों वर्षों से ज्ञान, शिक्षा, कला और सभ्यता को दिशा दी है। दुनिया के सबसे बडे.मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया द्वारा अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में मां सरस्वती की १६ फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करना इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान की देवी किसी एक धर्म, जाति या देश की सीमाओं में बंधी नहीं हैं। कमल पर विराजमान वीणा वादिनी मां सरस्वती आज व्हाइट हाउस से कुछ दूरी पर खडी होकर पूरी दुनिया को बता रही हैं कि सभ्यताओं की असली शक्ति शस्त्रों में नहीं, शिक्षा और संस्कृति में होती है।

वस्तुतः भारत के मध्यप्रदेश के धार में स्थित भोजशाला को लेकर आया न्यायिक निर्णय एक बार फिर उस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सत्य को सामने लाता है, जिसे वर्षों तक विवादों और राजनीति के बीच दबाने का प्रयास किया गया। यह सिर्फ एक इमारत का प्रश्न नहीं है, सही मायनों में देखा जाए तो भारत की ज्ञान परंपरा, मां वाग्देवी की आराधना और सांस्कृतिक स्मृति का विषय है, जोकि भारत भूमि से विश्व के हर कोने तक पहुंचा है।

सनातन परंपरा में मां सरस्वती देवी होने के साथ ज्ञान की चेतना हैं। हाथों में वीणा कला का प्रतीक है, पुस्तक ज्ञान का, माला साधना का और श्वेत कमल पवित्रता का संदेश देता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले यह स्वीकार कर लिया था कि शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम नहीं है, यह तो मनुष्य को संस्कारित करने की प्रक्रिया है। यही कारण है कि मां सरस्वती की उपासना भारत में बच्चों की पहली शिक्षा से लेकर बडे.विद्वानों की साधना तक का हिस्सा रही है।

मुस्लिम बहुल देश ने समझा सरस्वती का महत्व

इंडोनेशिया की लगभग ८८ प्रतिशत आबादी मुस्लिम है, जबकि हिंदुओं की संख्या मात्र तीन प्रतिशत के आसपास है। इसके बावजूद वहां की सरकार ने अमेरिका को मां सरस्वती की प्रतिमा उपहार स्वरूप देकर यह संदेश दिया कि शिक्षा और ज्ञान किसी एक रिलीजन, मत, पंथ (मजहब) की जागीर नहीं होते। इंडोनेशियाई दूतावास ने स्पष्ट कहा भी कि ङ्गयह स्थापना धार्मिक प्रतीक से कहीं अधिक शिक्षा, सांस्कृतिक संवाद और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने का माध्यम है।ङ्ग यही वह दृष्टि है, जिसने बाली की सांस्कृतिक विरासत को बचाकर रखा और हिंदू परंपराओं को सम्मान दिया।इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने सरस्वती प्रतिमा के अनावरण के समय कहा भी कि यह प्रतिमा लोगों के दिल और दिमाग खोलने का काम करेगी और नफरत तथा गलतफहमियों को दूर करेगी। यह संदेश आज पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। धर्मों के संघर्ष, कट्टरता और सांस्कृतिक टकराव के इस दौर में मां सरस्वती का संदेश ज्ञान, संवाद और सह-अस्तित्व का संदेश है। यही कारण है कि अमेरिका जैसे देश में भी यह प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही है।

आज वॉशिंगटन में स्थापित प्रतिमा को लेकर कहना यही होगा कि यह इस बात का प्रतीक है कि विश्व अब उस भारतीय दर्शन को समझ रहा है, जिसने शिक्षा को ईश्वर का रूप माना। वहीं जब दुनिया का सबसे बडा मुस्लिम बहुल देश सरस्वती को ज्ञान की सार्वभौमिक देवी के रूप में स्वीकार कर सकता है, तब भारत में अपनी ही सांस्कृतिक धरोहरों को लेकर संकोच और संघर्ष क्यों होना चाहिए? यही प्रश्न भोजशाला विवाद के केंद्र में भी आज खडा दिखाई देता है। भारत को भी अपनी शिक्षा और संस्कृति की इसी विरासत को नए आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने रखना होगा। भोजशाला इसका जीवंत उदाहरण बन सकती है।

भोजशाला सिर्फ भवन नहीं, ज्ञान का तीर्थ

उल्लेखित है कि धार की भोजशाला को लेकर लंबे समय से विवाद चलता रहा है। इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और स्थानीय परंपराओं का एक बडा वर्ग इसे राजा भोज द्वारा स्थापित मां वाग्देवी के मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के रूप में मानता रहा है। परमार वंश के महान राजा भोज शासक होने के साथ एक महान विद्वान, साहित्यकार और शिक्षा संरक्षक भी थे। उनकी राजधानी धार वर्षों तक भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रमुख केंद्र रही।

भोजशाला में मां सरस्वती की आराधना होती थी और यहां विद्वानों की सभाएं लगती थीं। यही कारण है कि इसे ङ्गविद्या की तपोभूमिङ्ग माना गया। यहां से प्राप्त शिलालेख, स्थापत्य शैली, स्तंभों की नक्काशी और संस्कृत अभिलेख इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि यह स्थान भारतीय ज्ञान परंपरा से गहराई से जुडा रहा है।

आज का निर्णय और उभरते प्रमाण

आज आए न्यायालयीन निर्णय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्टों ने भोजशाला के संबंध में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को पुनः सामने रखा है। सर्वेक्षण में मंदिर स्थापत्य शैली, देवी-देवताओं से जुडे.चिह्न, कमल आकृतियां, संस्कृत शिलालेख और हिंदू प्रतीकों के प्रमाण मिले। यह भी स्पष्ट हुआ कि संरचना के कई हिस्से मूल हिंदू स्थापत्य पर आधारित हैं। इन प्रमाणों ने उस ऐतिहासिक धारणा को बल दिया कि भोजशाला मूलतः मां वाग्देवी का मंदिर और शिक्षा केंद्र थी। वर्षों तक इसे विवादित ढांचे के रूप में देखने की कोशिश हुई, किंतु अब पुरातात्विक तथ्य इतिहास की परतों को खोल रहे हैं।

शिक्षा ही राष्ट्र की सबसे बडी शक्ति

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके हथियारों या आर्थिक आंकडों में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना में होती है। भारत ने तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसी परंपराएं दुनिया को दीं। भोजशाला उसी गौरवशाली परंपरा की एक कडी है। मां सरस्वती का संदेश यही है कि ज्ञान विनम्रता देता है और विनम्रता समाज को जोडती है।

वॉशिंगटन में खडी मां सरस्वती की प्रतिमा और धार की भोजशाला का संघर्ष मिलकर मानो एक ही संदेश दे रहे हैं और वह यही है कि जो सभ्यता अपनी ज्ञान परंपरा को बचा लेती है, वही दुनिया का भविष्य तय करती है। दरअसल, इंडोनेशिया आज

भोजशाला में मां सरस्वती की आराधना होती थी और यहां विद्वानों की सभाएं लगती थीं। यही कारण है कि इसे 'विद्या की तपोभूमि' माना गया। यहां से प्राप्त शिलालेख, स्थापत्य शैली, स्तंभों की नक्काशी और संस्कृत अभिलेख इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि यह स्थान भारतीय ज्ञान परंपरा से गहराई से जुडा रहा है।आज का निर्णय और उभरते प्रमाण आज आए न्यायालयीन निर्णय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्टों ने भोजशाला के संबंध में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को पुनः सामने रखा है।

मुस्लिम बहुल होकर भी अपनी जडों से जुडे.रहकर वही कर रहा है जो भारत की ज्ञान परंपरा रही है, ऐसे में आज आए धार, भोजशाला के न्यायालयीन निर्णय ने बहुत दिनों बाद सरस्वती उपासकों को एक नई खुशी दी है, निश्चित ही इसका सर्वत्र आनन्द मनाया जाना चाहिए!

सीबीएससी परीक्षा परिणाम में भयंकर हेरा- फेरी के लिए जिम्मेवार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे --कॉंग्रेस

अनिल मिश्र/पटना २९ मई : सीबीएससी परीक्षा परिणाम में भयंकर हेरा- फेरी होने से लाखों- लाख बच्चे और उनके माता-पिता सदमे में हैं। इस संबंध में बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि प्रो विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, विशाल कुमार, इंटक जिला महासचिव टिंकू गिरी, मुन्ना मांझी आदि ने कहा कि जिस कंपनी उजएचझढ को परीक्षा परिणाम तैयार करने की जिम्मेवारी मिली, वह पहले ऋडजइअठएछअ के नाम से तेलंगाना में २०१९ में गलत कारनामे कर चुकी है। इस बीच इन सभी नेताओं ने कहा डिजिटल कंपनी का नाम बदला पर नियत वहीं, फिदरत वहीं, इतिहास सब को पता था, फिर भी सीबीएससी द्वारा ठेका दिया गया, ऐसी कंपनी के हाथ में १८ लाख ५० हजार बच्चो का भविष्य सौप दिया गया और किसी को फर्क.नहीं पडा। इस बीच इन सभी नेताओं ने इस पूरे घोटाले के असली दोषियों को सामने लाने के लिए स्वतन्त्र न्यायिक जांच और एस आई टी का गठन तत्काल किया जाये। इस बीच इन नेताओं ने कहा इस जब इस मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए कॉंग्रेस पाटी के सर्वमान्य नेता, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संसद से सडक़ तक उठाया तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा देने के बजाय कह रहे हैं कि सीबीएससी के ४० करोड.पन्नों की चेकिंग में बडी चूक हुई है, जिसके लिए शुरू होगा रीईभैलूऐसन। नेताओं ने कहा कि जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री १२ वीं के मूल्यांकन में हुई गंभीर विसंगतियों और तकनीकी गडबड़ियों को स्वीकार किया है, तो इस्तीफा क्यों नहीं दे देते।

तकनीक के युग में मजदूर अब भी मौत के मुहाने पर: व्यवस्था की असफलता ?

-सुनील कुमार महला

मध्य प्रदेश और ओडिशा में हुए दो दर्दनाक हादसों ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हमारे देश में आज भी गरीब और मजदूर वर्ग की सुरक्षा को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। हाल ही में मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के बीहरपुवा गांव में कुआं खोदते समय मिट्टी धंसने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं ओडिशा के कालाहांडी में सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस के कारण छह लोगों ने अपनी जान गंवा दी। कहना गलत नहीं होगा कि ये दोनों हादसे केवल दुर्घटनाएं नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की लापरवाही और असंवेदनशीलता का परिणाम हैं।हम सब यह जानते हैं कि आज विज्ञान और तकनीक का दौर है। बडे-बडे. निर्माण कार्य और खतरनाक सफाई के काम मशीनों से किए जा सकते हैं। इसके बावजूद आज भी गरीब मजदूर अपनी जान जोखिम में डालकर ऐसे काम करने को मजबूर हैं। यदि कुएं की खुदाई और सेप्टिक टैंक की सफाई पूरी सुरक्षा व्यवस्था और मशीनों के माध्यम से की जाती, तो शायद इतनी जानें नहीं जातीं।

बहरहाल, यहां यह कहना भी गलत नहीं होगा कि यह घटना देश में पेयजल संकट की गंभीर स्थिति को भी सामने लाती है। आज भी कई गांवों और शहरों में लोगों को साफ पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कई स्थानों पर भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और हैंडपंप सूख चुके हैं। ऐसे में, मजबूरी में लोगों को गहरे कुएं और तालाबों पर निर्भर रहना पडता है। सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसी तस्वीरें दिखाई देती हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चियां अपनी जान जोखिम में डालकर गहरे कुंडों में उतरकर पानी भरती नजर आती हैं। अब यहां सवाल यह उठता है कि क्या यह स्थिति आधुनिक भारत के लिए चिंता का विषय नहीं है ?

आधुनिक दौर में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई का काम भी आज तक पूरी तरह सुरक्षित नहीं बन पाया है। सरकार द्वारा संसद में दिए गए आंकडों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में सैकडों सफाईकर्मियों की मौत जहरीली गैस के कारण हो चुकी है। वास्तव में, यह साफ दर्शाता है कि सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम अब भी नहीं किए गए हैं। निस्संदेह, सरकार स्मार्ट सिटी और आधुनिक विकास योजनाओं पर काम कर रही है, लेकिन किसी भी सरकार का सबसे पहला कर्तव्य अपने नागरिकों को भोजन, साफ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है। यदि लोग सुरक्षित नहीं हैं, तो विकास अधूरा ही कहा जा सकता है।सबसे दुखद बात तो यह है कि ऐसी घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, मुआवजे की घोषणा होती है और फिर सब कुछ भुला दिया जाता है। जिम्मेदार अधिकारियों पर अक्सर कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। वास्तव में, यदि लापरवाही करने वालों को समय पर सख्त से सख्त सजा मिले और सुरक्षा नियमों का ईमानदारी से पालन हो, तभी ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

अंत में यही कहूंगा कि आज जरूरत इस बात की है कि जल संरक्षण और सफाई से जुडे. सभी कार्य पूरी संवेदनशीलता और आधुनिक तकनीक के साथ किए जाएं। सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई पूरी तरह मशीनी बनाई जाए तथा मजदूरों को उचित प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।तभी हम ऐसा अच्छा, सुरक्षित और संवेदनशील समाज बना पाएंगे, जहां अमीर-गरीब का भेद किए बिना हर इंसान की जान को समान महत्व दिया जाए और किसी को भी लापरवाही के कारण अपनी जान न गंवानी पडे।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ, उत्तराखंड।मोबाइल ९८२८१०८८५८

एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार, लेकिन ...

ठीक कहा जाता है कि कागज का पेट कागज से ही भरता है। बिहार में हुए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत (सुप्रीम कोर्ट) के हालिया फैसले को इसी रूप में देखा जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को वैध ठहराते हुए साफ-साफ कहा कि चुनाव आयोग को इसका अधिकार है। अदालत ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों के संवैधानिक लक्ष्य को आगे बढ़ाती है। यह लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है।चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया की वैधानिकता को चुनौती देने वाली एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) समेत करीब २० याचिकाओं का निस्तारण करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद -३२४ एवं जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा २१(३) के तहत एसआईआर कराने का अधिकार है। अदालत ने माना कि एसआईआर की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया। साथ ही कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची में नाम शामिल करने की पात्रता के लिहाज से नागरिकता की सीमित जांच करने का अधिकार है। हालांकि ऐसी जांच नागरिकता का निर्धारण नहीं मानी जा सकती है।

अदालत के इस फैसले से देश के नागरिकों में सन्नाटा पसरा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनतादल यूनाईटेड (जदयू) खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई है, जबकि विपक्ष के दल मौन हैं। याचिकाकर्ता एडीआर के वकील प्रशांतभूषण जरूर इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन बता रहे हैं। उधर, बिहार के चुनाव परिणामों से उत्साहित चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, पुड्डुचेरी, असम, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गोवा, लक्ष्यद्वीप और अंडमान निकोबार समेत १३ और राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी करा ली है। इनमें पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुड्डुचेरी में हाल ही विधानसभा के चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं।बाकी राज्यों में भी एसआईआर के आदेश दिए जा चुके हैं। दिल्ली में भी २०जून से एसआईआर शुरू किया जाएगा।

दरअसल, याचिकाकर्ताओं ने एसआईआर को लेकर नहीं बल्कि एसआईआर में जल्दबाजी को लेकर सवाल उठाया था।उनका कहना था कि चुनाव आयोग बिहार में चुनाव की घोषणा के बाद आखिरकार जल्दबाजी (महज एक माह) में एसआईआर क्यों करा रहा है। वह भी तब जब आधे से अधिक बिहार की जनता बाढ़ की विभीषिका से जूझ रही है। लोगों के समक्ष जान-माल की चुनौती है और चुनाव आयोग मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करा रहा है। फिर, एसआईआर में जुड़े लोगों का प्रोपर प्रशिक्षण भी नहीं हो पाया है। याचिकाकर्ताओं ने बिहार में करीब ६५ लाख मतदाताओं का नाम कटने की बात कही थी। उधर, एसआईआर के दौरान एक दल विशेष के नेता चुनाव आयोग का प्रवक्ता बने फिर रहे थे। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे थे।

अदालत का फैसला साक्ष्यों पर आधारित होता है। अदालत ने माना कि यह प्रक्रिया एक असाधारण परिस्थिति में की गई थी, लेकिन इसे अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं कहा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईआर के तहत मतदाता सूची संशोधन से जुड़े प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का पालन किया गया।

उधर,याचिकाकर्ताओं ने ६५ लाख मतदाताओं का नाम काटे जाने की बात जरूर कही थी, लेकिन अपनी याचिका के समर्थन में सबूत के तौर पर ६५ मतदाताओं का नाम जुटाने में असमर्थ रहे। विपक्ष के राजनीतिक दल भी ट्विटर पर बयानबाजी और दिखावे के प्रदर्शन के अलावा कुछ नहीं कर सके। यदि वह बयानबाजी छोड़ सबूत अदालत के सामने रखते तो शायद अदालत को चुनाव आयोग को क्लीनचिट नहीं देना पड़ता।

सुप्रीम कोर्ट ने भले ही चुनाव आयोग को एसआईआर पर क्लीनचिट दे दी है लेकिन आयोग की निष्पक्षता पर अदालत मौन है। सरकार ने पहले ही संसद से यह तय कर दिया है कि चुनाव आयोग के

किसी फैसले को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। ऐसा आजादी के बाद पहली बार हुआ है।वैसे भी जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सबसे अधिक सवाल उठते रहे हैं।

उधर, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर एक और मुकदमा सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश वाई बी चंद्रचूड़ ने सरकार को सुझाव दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई को भी शामिल करना चाहिए। उनका तर्क था कि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। फिलहाल, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और नेता प्रतिपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में शामिल होते हैं और बहुमत का फैसला माना जाता है। जस्टिस चंद्रचूड़ का कहना था कि सरकार का मंत्री प्रधानमंत्री की राय से इतर कैसे सोच सकता है। इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सीजेआई को शामिल होना चाहिए। हालांकि सरकार ने उसे नहीं माना है। पिछले दिनों वर्त्तमान सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान इस पर कड़ी टिप्पणी की थी। मामला अभी अदालत के विचाराधीन है। देखना दिलचस्प होगा कि सुप्रीम कोर्ट उस मामले में क्या फैसला देता है।इस बीच जाने-माने समाजसेवी और याचिकाकर्ताओं में से एक योगेन्द्र यादव ने एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि मेरे अनुसार, इस मामले की दिशा पिछले वर्ष अगस्त में ही तय हो गई थी, जब एसआईआर के खिलाफ तीन दिन दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उसकी संवैधानिक वैधता की जांच से ध्यान हटाकर खुद को एक उपभोक्ता फोरम में बदल लिया था। जहां संवैधानिक सिद्धांतों की जगह शिकायत निवारण और प्रशासनिक मध्यस्थता पर जोर था।यादव ने कहा कि उन्हें अदालत के इस फैसले से कोई आश्चर्य नहीं है। लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। बड़ा सवाल यह कि क्या आज के नेताओं में लोकलाज बचा है !

• राधा रमण

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

जुबीन गर्ग हत्याकांड : हाई कोर्ट से श्यामकानु महंत...

मामले की तीसरी सुनवाई पर पूरे असम की नजरें टिकी हुई थीं।इससे पहले २२ मई को हुई सुनवाई में बचाव पक्ष के अधिवक्ता प्रण बोरा ने अदालत में दलील दी थी कि जुबीन की मौत एक दुर्घटना का परिणाम थी, न कि पूर्व नियोजित हत्या। इसी आधार पर आरोपी की जमानत की मांग की गई थी।हालांकि, शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने जमानत का कडा विरोध किया और अदालत के समक्ष अपने पक्ष में विस्तृत तर्क पेश किए। सूत्रों के अनुसार, मामले की सुनवाई के दौरान असम के महाधिवक्ता देवजीत लोन सैकिया भी अदालत में उपस्थित रहे।जुबीन गर्ग हत्याकांड को लेकर राज्यभर में लगातार चर्चा बनी हुई है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद मामले को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ.गई है।

विधायक कौशिक राय शिलचर स्पोर्टिंग क्लब....

परिस्थितियाँ और क्लब से जुडे.पूर्व अधिकारियों के विचार शामिल थे। उन्होंने क्लब के विकास में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इसी दौरान, क्लब के अधिकारियों ने भी आशा व्यक्त की कि कौशिक रॉय को असम मंत्रिमंडल के विस्तार में अवश्य शामिल किया जाएगा और उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दीं।
यह उल्लेखीय है कि उस दिन के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष डॉ. अनुप कुमार रॉय के अलावा महासचिव सिद्धार्थ खान, उपाध्यक्ष निर्मल दास, कोषाध्यक्ष सत्यजीत दास, ९०वीं वर्षगांठ समारोह स्वागत समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ सदस्य मुलचंद वैद्य, कार्यकारी समिति के सदस्य सुदीप रॉय चौधरी और रामकृष्ण पाल भी उपस्थित थे।

यशोदा हॉस्पिटल के स्पेशलिस्ट का कहना है कि .....

टाइप पहचानेल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मायलोमा। इनमें से, एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया (AML) को सबसे ज़्यादा फैलने वाला माना जाता है, जिसमें लगभग ८० प्रतिशत मरीजों को लंबे समय तक ठीक होने के लिए बोन मैरो या स्टेम सेल ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है।डॉ. गणेश ने साफ.किया कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट कोई सर्जिकल ऑर्गन ट्रांसप्लांट नहीं है। इसके बजाय, मरीज.के बीमार बोन मैरो को पहले हाई-डोज.कीमोथेरेपी और कुछ मामलों में रेडिएशन थेरेपी से निकाला जाता है। फिर डोनर से हेल्दी स्टेम सेल मरीज.के ब्लडस्ट्रीम में डाले जाते हैं, जहाँ वे एक नया और हेल्दी ब्लड बनाने वाला सिस्टम बनाते हैं।उन्होंने स्टेम सेल डोनेशन से जुडी आम गलतफहमियों को भी दूर किया, यह भरोसा दिलाया कि यह प्रोसेस डोनर के लिए सुरक्षित है और शरीर नैचुरली डोनेट किए गए स्टेम सेल को फिर से भर देता है। मॉडर्न ट्रांसप्लांट टेक्नीक, जिसमें हैप्लोइडेंटिकल (हाफ-मैच) ट्रांसप्लांट शामिल हैं, ने डोनर की उपलब्धता को काफी बढा दिया है, जिससे माता-पिता, बच्चे, भाई-बहन और परिवार के दूसरे सदस्य फुल-मैच ट्रांसप्लांट जैसे नतीजों के साथ सही डोनर बन सकते हैं। हाल की नई खोजों के बारे में बताते हुए, डॉ. गणेश ने इम्यूनोथेरेपी और उअठ ढ-सेल थेरेपी जैसी एडवांस्ड थेरेपी के बारे में बात की। इन नए इलाजों में मरीज.के इम्यून सेल्स को जेनेटिकली मॉडिफाई करना शामिल है ताकि कैंसर सेल्स को खास तौर पर टारगेट करके खत्म किया जा सके। उअठ ढ थेरेपी को कैंसर के खिलाफ एक 'सर्जिकल स्ट्राइक' बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह साइड इफेक्ट्स को कम करते हुए हाई सक्सेस रेट देती है।हॉस्पिटल के डेटा के मुताबिक, यशोदा हॉस्पिटल में २० से ज़्यादा मरीज.पहले ही उअठ ढ-सेल थेरेपी करवा चुके हैं। जबकि पहले इस इलाज का खर्च दुनिया भर में ठि ५ करोड.से ठि १० करोड.के बीच था, स्वदेशी CAR T टेक्नोलॉजी के आने से खर्च काफी कम हो गया है, और अब कुछ इलाज लगभग ठि २५ लाख में उपलब्ध हैं। सही मरीजों के लिए सक्सेस रेट ७० से ८० परसेंट के बीच है।कई ब्लड डिसऑर्डर, जिसमें कुछ कैंसर भी शामिल हैं, के लिए अब कुल मिलाकर इलाज और सफलता की दर ८० से ९० प्रतिशत से ज़्यादा है, और कुछ बीमारियों का जल्दी पता चलने और इलाज होने पर इलाज की दर ९५ से १०० प्रतिशत तक पहुँच जाती है।

डॉ. गणेश ने जल्दी पता लगाने के महत्व पर जोर दिया, और जिन लोगों को लगातार थकान, एनीमिया, बार-बार इन्फेक्शन, बिना किसी वजह के वजन कम होना, असामान्य ब्लीडिंग, या लिम्फ नोड्स में सूजन की समस्या हो रही है, उन्हें एक आसान कम्प्लीट ब्लड काउंट (CBC) टेस्ट करवाने की सलाह दी। सिर्फ.२०० रुपये में होने वाला यह टेस्ट शुरुआती अहम सुराग दे सकता है और समय पर स्पेशलिस्ट के पास भेजने में मदद कर सकता है।स्पेशलिस्ट ने कैंसर से बचे लोगों के ऐसे प्रेरणादायक उदाहरण भी दिए जो इलाज के बाद नॉर्मल और यहाँ तक कि असाधारण जिंदगी में लौट आए। उन्होंने जापानी स्विमिंग स्टार रिकाको इकी का जिक्र किया, जिन्होंने एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया को सफलतापूर्वक हराया और टॉप इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में वापसी की, जिससे पता चला कि सही इलाज से रिकवरी और हाई परफॉर्मेंस हासिल की जा सकती है।यशोदा हॉस्पिटल ने ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में भी कई बडी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें २०१४ में दक्षिण भारत का पहला हैप्लोइडेन्टिकल ट्रांसप्लांट और दूसरे नए तरीके शामिल हैं, जिनसे उन मरीजों के लिए इलाज की संभावनाएं बढी हैं जिनके डोनर पूरी तरह से मैच नहीं करते।सेशन खत्म करते हुए, डॉ. गणेश ने मीडिया से डर को जागरूकता और उम्मीद से बदलने की अपील की। ??उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मॉडर्न थेरेपीजिसमें टारगेटेड दवाएं, इम्यूनोथेरेपी, उअठ ढ-सेल थेरेपी और एडवांस्ड बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन शामिल हैंहजारों मरीजों को इलाज के बाद हेल्दी, प्रोडक्टिव और खुशहाल जिंदगी जीने में मदद कर रही हैं।उन्होंने कहा, ङ्गमैसेज आसान है।ङ्घ ङ्गब्लड कैंसर अब कोई बेकार डायग्नोसिस नहीं रहा। जल्दी पता चलने, एक्सपर्ट देखभाल और मॉडर्न इलाज तक पहुंच के साथ, ज़्यादातर मरीज़ ठीक होने और एक नॉर्मल भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।ङ्घ

तिनसुकिया नेशनल इम्यूनाइजेशन डे २०२६ के लिए तैयार; पल्स पोलियो ड्राइव २८ जून से शुरू होगी

तिनसुकिया (अर्णव शर्मा) २९ मई : तिनसुकिया जिले में नेशनल इम्यूनाइजेशन डे (छखड) २०२६ मनाने की तैयारियों ने शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर के कॉन्फ्रेंस हॉल में डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की पहली मीटिंग के साथ जोर पकड.लिया। मीटिंग की अध्यक्षता एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर (हेल्थ) डॉ. मंदिरा बरुआ ने की।दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो के मामलों के फिर से सामने आने को देखते हुए भारत सरकार के निर्देशों के बाद पूरे देश में पल्स पोलियो कैंपेन चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत, तिनसुकिया जिले ने पांच साल से कम उम्र के १,७८,६२७ बच्चों को पोलियो वैक्सीन ड्रॉप्स पिलाने का लक्ष्य रखा है।डिस्ट्रिक्ट इम्यूनाइजेशन ऑफिसर डॉ. अस्मा गजनवी ने मीटिंग में हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा प्रोग्राम को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए किए जा रहे तैयारियों के बारे में जानकारी दी। यह प्रोग्राम २८ जून से ३० जून, २०२६ तक चलेगा।अधिकारियों ने बताया कि हेल्थकेयर वर्कर घर-घर जाकर वैक्सीनेशन करेंगे, जबकि आंगनवाडी सेंटर, स्कूल और दूसरी पब्लिक जगहों पर स्पेशल वैक्सीनेशन बूथ भी बनाए जाएंगे ताकि कोई भी योग्य बच्चा छूट न जाए।यह कैंपेन भारत सरकार की देश को पोलियो-फ्री बनाए रखने और बीमारी को दोबारा फैलने से रोकने की लगातार कोशिशों का हिस्सा है। हेल्थ अधिकारियों ने माता-पिता और गार्जियन से अपील की कि वे गलत जानकारी या गलतफहमियों से प्रभावित न हों और यह पक्का करें कि हर योग्य बच्चे को जान बचाने वाला टीका मिले।मीटिंग में एजुकेशन, लेबर, ट्रांसपोर्ट और सोशल वेलफेयर जैसे डिपार्टमेंट के साथ-साथ दूसरी स्टेकहोल्डर एजेंसियों से भी अपील की गई कि वे पूरे जिले में कैंपेन को आसानी से चलाने के लिए पूरा सहयोग दें। पल्स पोलियो ड्राइव जिले के सभी हेल्थ ब्लॉक में कई सरकारी डिपार्टमेंट और फ्रंटलाइन वर्कर की एक्टिव भागीदारी से लागू किया जाएगा।मीटिंग में हेल्थ सर्विसेज.की जॉइंट डायरेक्टर डॉ. मीनाक्षी हजारिका, हेल्थ डिपार्टमेंट, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारी और अलग-अलग संबंधित डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि मौजूद थे।

तिनसुकिया पुलिस ने एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन में दो संदिग्ध ड्रग पेडलर पकडे, हेरोइन जब्त की

तिनसुकिया:(अर्णव शर्मा) २९ मई : गैर-कानूनी नारकोटिक्स की तस्करी पर लगातार कार्रवाई करते हुए, तिनसुकिया पुलिस ने तिरप कोलियरी-लेडो बागान इलाके के पास एक सफल एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन चलाया, जिसमें दो संदिग्ध ड्रग पेडलर पकडे.गए और संदिग्ध हेरोइन के साथ-साथ दूसरा आपत्तिजनक सामान भी जब्त किया गया।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह ऑपरेशन २८ मई को इलाके में संदिग्ध ड्रग से जुडी गतिविधियों के बारे में खास और भरोसेमंद इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर शुरू किया गया था। जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम ने सभी तय कानूनी तरीकों का पालन करते हुए टारगेटेड रेड की।ऑपरेशन के दौरान, पुलिसवालों ने गैर-कानूनी ड्रग के धंधे में शामिल होने के शक में दो लोगों को रोका और हिरासत में लिया। अच्छी तरह तलाशी लेने पर संदिग्ध हेरोइन वाले आठ कंटेनर मिले, जिनका कुल वजन ४.७६ ग्राम था।संदिग्ध नशीले पदार्थों के अलावा, पुलिस ने एक मोबाइल हैंडसेट, एक इंसुलिन सिरिंज और ?३,५०० कैश भी जब्त किया है, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे कथित ड्रग तस्करी से जुडे. हैं।गिरफ्तार किए गए लोगों को आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है, और जांच करने वाले जब्त किए गए प्रतिबंधित सामान के सोर्स और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारी इस इलाके में बडे. पैमाने पर ड्रग तस्करी के कामों से जुडे.संभावित लिंक की भी जांच कर रहे हैं।तिनसुकिया पुलिस ने कहा कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट के संबंधित नियमों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी गई है, और जांच जारी है।यह नई जब्ती असम पुलिस की नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने और राज्य भर में ड्रग से जुडे.अपराधों को फैलने से रोकने की लगातार कोशिशों को दिखाती है। पुलिस अधिकारियों ने एंटी-ड्रग ऑपरेशन को तेज.करने और गैर-कानूनी ड्रग के धंधे में शामिल लोगों के खिलाफ कडी कार्रवाई करने का अपना वादा दोहराया है।अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे संदिग्ध ड्रग से जुडी गतिविधियों के बारे में जानकारी शेयर करके कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ सहयोग करते रहें, और इस बात पर जोर दिया है कि नशीले पदार्थों के खिलाफ लडाई में जनता की भागीदारी बहुत जरूरी है।

लोंगडिंग में बडा ड्रग भंडाफोड: हेरोइन, अफीम और ५.९३ लाख रुपये कैश जब्त; पांच गिरफ्तार

लोंगडिंग (अरुणाचल प्रदेश): (अर्णव शर्मा) २९ मई :ड्रग तस्करी और नशीली दवाओं के गलत इस्तेमाल पर बडी कार्रवाई करते हुए, लोंगडिंग डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने पूरे जिले में चलाए गए कई एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन के दौरान बडी मात्रा में संदिग्ध हेरोइन और अफीम के साथ ५.९३ लाख रुपये कैश जब्त किया है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह ऑपरेशन २६ मई को सुबह करीब ७:०० बजे शुरू हुआ, जब सब-इंस्पेक्टर टी.डब्ल्यू. सालिंगपा की लीडरशिप में तिस्सा पुलिस स्टेशन की एक टीम लोंगडिंग-तिस्सा रोड पर रेगुलर मोटर व्हीकल चेकिंग और इनर लाइन परमिट (ILP) वेरिफिकेशन कर रही थी। चेकिंग ड्राइव के दौरान, पुलिस को संदिग्ध हेरोइन वाली एक शीशी मिली।बाद में पूछताछ और जांच से पुलिस को कई जगहों पर नशीली दवाओं के स्टोरेज और छिपाने के बारे में भरोसेमंद जानकारी मिली। इन इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, डख टी.डब्ल्यू. की लीडरशिप में एक स्पेशल टीम ने सलिंगपा और तिस्सा पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज ने, सुपरिंटेंडेंट ऑफ.पुलिस डेकियो गुमजा की देखरेख में, एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट डिंगजांग बहाम और ऊह्झ (क्ट) केसांग नोरबू की मौजूदगी में कई रेड कीं।रेड लोंगडिंग में वेलकम गेट के पास और चितुम ब्रिज के पास फाटन गंगसा के घर पर की गईं। सर्च ऑपरेशन के दौरान, पुलिस को लगभग ५२ ग्राम संदिग्ध हेरोइन, ४६० ग्राम अफीम, ५,९३,००० रुपये कैश, और कई दूसरी चीजें.मिलीं, जिनके गैर-कानूनी नशीले पदार्थों के धंधे से जुडे.होने का शक है।इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान फाटन गंगसा (४५), कोजम मोनवांघम (३६), पंगलीम मोनवांघम (४५), तदुन वांगसु (२४) और सजल रुद्र पॉल (४८) के तौर पर हुई है।केस रजिस्टर कर लिया गया है, और आगे की जांच के लिए इंस्पेक्टर तुकुट कोनिया को जांच सौंप दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को जिले में ड्रग्स से जुडे.अपराधों के खिलाफ चल रहे अभियान में एक बडी कामयाबी बताया। यह सफल जब्ती लोंगडिंग पुलिस की नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने और इलाके की सुरक्षा पक्का करने में सतर्कता और कमिटमेंट को दिखाती है।गैर-कानूनी सामान के सोर्स का पता लगाने और तस्करी के ऑपरेशन में शामिल किसी भी बडे.नेटवर्क की पहचान करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

रिकॉर्ड टूरिस्ट सीजन के बाद काजीरंगा मॉनसून के लिए बंद

काजीरंगा (अर्णव शर्मा) २९ मई : : दुनिया भर में मशहूर काजीरंगा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व ने २९ मई से सालाना मॉनसून सीजन के लिए अपने गेट ऑफिशियली बंद कर दिए हैं, जिससे २०२५-२६ का टूरिस्ट सेशन खत्म हो जाएगा। इस दौरान ४.७ लाख से ज़्यादा विजिटर्स आए थे।फॉरेस्ट अधिकारियों ने कहा कि मॉनसून की शुरुआत और पूरे पार्क में बाढ.के बढते खतरे को देखते हुए सीजनल बंदी लागू की गई है। भारी बारिश के दौरान ब्रह्मपुत्र नदी का पानी बढने से काजीरंगा के बडे.हिस्से में पानी भर जाता है, जिससे टूरिज़्म एक्टिविटीज.असुरक्षित हो जाती हैं।तुरंत प्रभाव से, सभी सफारी ऑपरेशन और टूरिस्ट एक्टिविटीज.रोक दी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि बंद करना न केवल विजिटर्स की सुरक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि सालाना बाढ.के मौसम में जंगली जानवरों को ऊँची जगहों पर आजादी से घूमने देने के लिए भी जरूरी है। पार्क ने अपने सबसे सफल टूरिज़्म सीजन में से एक देखा, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में घरेलू और विदेशी विजिटर्स आए। टूरिस्टों की संख्या में बढोतरी असम में वाइल्डलाइफ.और इको-टूरिज़्म की बढती लोकप्रियता को दिखाती है।UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित, काजीरंगा खतरे में पडे. एक सींग वाले गैंडों की बढती आबादी के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यह पार्क कई तरह के जंगली जानवरों का भी घर है, जिनमें बाघ, एशियाई हाथी, जंगली भैंसे, दलदली हिरण और सैकडों तरह के पक्षी शामिल हैं।
इस बीच, जंगल के अधिकारियों ने मानसून के सबसे अच्छे महीनों से पहले पार्क के अलग-अलग रेंज में बाढ.की तैयारी और जंगली जानवरों की सुरक्षा के उपायों को तेज.कर दिया है। मौसमी बाढ.के असर को कम करने के लिए शिकार रोकने की निगरानी, ??जानवरों को बचाने की प्लानिंग और इमरजेंसी में मदद करने के तरीकों को मजबूत किया जा रहा है।अधिकारियों ने कहा कि मौसम की स्थिति और बाढ.से हुए नुकसान और रहने की जगह की स्थिति के पूरे असेसमेंट के आधार पर, मानसून के मौसम के बाद पार्क के विजिटर्स के लिए फिर से खुलने की उम्मीद है। हर साल बंद होने से काजीरंगा में जंगली जानवरों के बचाव के लिए एक अहम समय की शुरुआत होती है, जहाँ बाढ, मुश्किलें खडी करने के बावजूद, भारत के सबसे मशहूर सुरक्षित इलाकों में से एक के इकोलॉजिकल बैलेंस को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है।

बोकाखाट चाय बागान में जहरीले जंगली मशरूम खाने के बाद पांच लोग अस्पताल में भर्ती

बोकाखाट: (अर्णव शर्मा) २९ मई : असम के गोलाघाट जिले के बोकाखाट के एक चाय बागान इलाके में कथित तौर पर जहरीले जंगली मशरूम खाने के बाद पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिससे चाय उगाने वाले इलाकों में मशरूम पॉइजनिंग के बार-बार होने वाले मामलों पर नई चिंता बढ.गई है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, आस-पास के इलाकों से इकट्ठा किए गए जंगली मशरूम खाने के तुरंत बाद प्रभावित लोग गंभीर रूप से बीमार पड.गए। बताया जा रहा है कि उन्हें जी मिचलाना, उल्टी, पेट दर्द और फूड पॉइजनिंग से जुडी दिक्कतें जैसे लक्षण दिखे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए पास के हेल्थकेयर सेंटर ले जाया गया। मेडिकल अधिकारियों ने बताया कि सभी पांच मरीज.अभी मेडिकल निगरानी में हैं और उन्हें जरूरी इलाज मिल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।असम के कई चाय बागान इलकों से मशरूम पॉइजनिंग के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, खासकर मानसून और प्री-मानसून सीजन में जब जंगली मशरूम बहुत ज़्यादा उगते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स ने बार-बार चेतावनी दी है कि कई जहरीले मशरूम की किस्में खाने लायक मशरूम जैसी होती हैं, जिससे आम लोगों के लिए उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है।अधिकारियों ने एक बार फिर लोगों से, खासकर चाय के बागानों और जंगल के आस-पास के इलाकों में रहने वालों से, जंगली मशरूम खाने से बचने की अपील की है, जब तक कि वे अपनी सुरक्षा को लेकर पक्के न हों। जहरीले मशरूम से जुडे.खतरों के बारे में लोगों को बताने के लिए जागरूकता कैंपेन भी तेज.कर दिए गए हैं।अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि अगर जंगली मशरूम खाने के बाद उल्टी, दस्त, पेट दर्द या चक्कर आने जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें, क्योंकि समय पर इलाज गंभीर दिक्कतों को रोकने में बहुत जरूरी हो सकता है।

जामुकताल में कार के अंदर युवक की लाश मिली; डिमो पुलिस ने संदिग्ध ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया

डिमो:(अर्णव शर्मा) २९ मई : असम के सिबसागर जिले के डिमो पुलिस स्टेशन के तहत जामुकताल में एक खडी गाडी के अंदर एक युवक की लाश मिली, जिसके बाद जांच शुरू हुई और एक संदिग्ध ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जामुकताल इलाके में एक कार के अंदर एक व्यक्ति को बेसुध देखकर स्थानीय लोगों ने अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और गाडी से युवक की लाश बरामद की। शुरुआती जांच में नशे की लत से जुडे.होने के संकेत मिले, जिससे डिटेल में जांच शुरू हुई।जांच के दौरान, डिमो पुलिस ने एक संदिग्ध ड्रग पेडलर की पहचान की और उसे पकड.लिया, जिसके इस घटना से जुडे.होने का शक है। आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है, और युवक की मौत के हालात का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है। मौत का सही कारण पता लगाने के लिए लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ड्रग से जुडी संभावित संलिप्तता सहित सभी एंगल से अच्छी तरह जांच की जा रही है।इस घटना से स्थानीय लोगों में चिंता बढ.गई है, अधिकारियों ने इलाके में गैर-कानूनी ड्रग तस्करी और नशीली दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का अपना वादा दोहराया है। जांच आगे बढने पर और जानकारी का इंतजार है।

उधारबंद में अनाथ युवती की जमीन कब्जाने और जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग तेज

१ जून तक का अल्टीमेटम, गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

मिहार कांति राय, उधारबंद २९ मई : उधारबंद थाना क्षेत्र के पान ग्राम जीपी प्रथम खंड में रहने वाली अनाथ युवती दयावती मुंडा की जमीन पर कथित रूप से कब्जा करने और उस पर जानलेवा हमला करने के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर मामला तूल पकडता जा रहा है। हिंदू रक्षी दल के कार्यकर्ता मिठुन नाथ ने पुलिस को १ जून तक का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि तय समय के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो संगठन व्यापक आंदोलन शुरू करेगा।शुक्रवार को मिठुन नाथ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उधारबंद थाना के प्रभारी एस.एस. तिमुंग से मुलाकात कर मामले में कडी कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि पितृ-मातृहीन युवती दयावती मुंडा को लगातार प्रताडित किया जा रहा है और उसकी जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश की जा रही है।मिठुन नाथ ने कहा कि पुलिस पेट्रोलिंग के बावजूद आरोपी जमीन पर लगाए गए पिलरों को उखाडकर ले गए, जो गंभीर सवाल खडे.करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले के पीछे कुछ प्रभावशाली लोगों और राजनीतिक संरक्षण का हाथ है। उनके अनुसार आरोपी राजनीतिक दलों के कार्यालयों में बैठकर साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग आरोपियों को संरक्षण दे रहे हैं, वे भी समान रूप से दोषी हैं। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन सडक पर उतरकर आंदोलन करेगा और आवश्यकता पडने पर रास्ता अवरोध (रोड ब्लॉक) आंदोलन भी किया जाएगा। इस दौरान थाना प्रभारी एस.एस. तिमुंग ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मुख्य आरोपी साहिल आलम बडभुइया को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शेष आरोपी भी जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे।

बराक घाटी के तीन जिलों में दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मेगा शिविर

प्र.सं. शिलचर, २९ मई : CRC गुवाहाटी के पहल तथा सक्षम संस्था के सहयोग से बराक घाटी के तीन जिलों में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में दिव्यांग व्यक्तियों के साथ-साथ ६० वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी राष्ट्रीय वयोश्री योजना (RVY) के अंतर्गत विभिन्न सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। शिविर में दिव्यांगजनों के लिए UDID कार्ड एवं विकलांगता प्रमाणपत्र हेतु नामांकन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जिनके पास अभी तक विकलांगता प्रमाणपत्र नहीं है, वे शिविर स्थल पर ही मेडिकल बोर्ड की उपस्थिति में आवेदन कर सकेंगे। ८० प्रतिशत या उससे अधिक अस्थि बाधित (Locomotor Disability) दिव्यांगजनों को विद्युत चालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए UDID कार्ड, आधार कार्ड तथा आय प्रमाणपत्र आवश्यक होगा। मासिक आय ?२२,५०० से कम होना अनिवार्य है।इसके अलावा ४० प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाणपत्र रखने वाले लाभार्थियों को श्रवण यंत्र (कानों की मशीन) एवं व्हीलचेयर प्रदान की जाएगी। इसके लिए भी UDID कार्ड, आधार कार्ड और आय प्रमाणपत्र साथ लाना होगा।राष्ट्रीय वयोश्री योजना (RVY) के अंतर्गत ६० वर्ष से अधिक आयु के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को भी निःशुल्क श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर आदि सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। योजना का लाभ लेने हेतु आधार कार्ड एवं आय प्रमाणपत्र अनिवार्य रहेगा तथा मासिक आय ?२२,५०० से कम होनी चाहिए। शिविर की तिथियां एवं स्थान : ३१ मई, हाइलाकांदी, ऑडिटोरियम हॉल, एस. एस. कॉलेज, ०२ जून, श्रीभूमि, GNM नर्सिंग इंस्टीट्यूट, सिविल अस्पताल ४ जून, शिलचर, मेहरपुर समाज कल्याण कार्यालय , आयोजकों ने पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों से आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

डिब्रूगढ.की बेटी ने एमिटी यूनिवर्सिटी में गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया

डिब्रूगढ: (अर्णव शर्मा) २९ मई :डिब्रूगढ.के लोगों के लिए बहुत गर्व और जश्न का पल आया है, जब सीनियर पत्रकार और जाने-माने सोशल एक्टिविस्ट रॉन दुवारा की बेटी क्रिस्टीना दुवारा ने एकेडमिक ईयर २०२६ के लिए एमिटी यूनिवर्सिटी में मास्टर ऑफ सोशल वर्क (चड्य) प्रोग्राम में फर्स्ट क्लास फर्स्ट पोजीशन हासिल की है।उनके शानदार एकेडमिक परफॉर्मेंस के लिए, क्रिस्टीना दुवारा को प्रतिष्ठित गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया, जिससे न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे डिब्रूगढ.समुदाय को भी सम्मान मिला है। उनकी इस शानदार उपलब्धि की शुभचिंतकों, शिक्षाविदों, पत्रकारों और डिब्रूगढ. के निवासियों ने बहुत तारीफ की है, जो उनकी सफलता को हायर एजुकेशन में आगे बढने की चाह रखने वाले युवा छात्रों के लिए एक प्रेरणा के रूप में देखते हैं।रॉन दुवारा, एक सम्मानित सीनियर पत्रकार और द असम ट्रिब्यून से जुडे.ब्यूरो चीफ हैं और समाज में अपने योगदान के लिए भी जाने जाते हैं, उन्होंने दशकों तक लोगों तक महत्वपूर्ण कहानियां और सार्वजनिक मुद्दे पहुंचाए हैं। इस मौके पर, सबकी नजर उनके परिवार पर गई है क्योंकि उनकी बेटी की पढाई में बेहतरीन प्रदर्शन इस इलाके के लिए गर्व की बात बन गया है।कम्युनिटी के लोगों ने क्रिस्टीना दुआरा को दिल से बधाई दी है और उनके आगे के पढाई और प्रोफेशनल कामों में लगातार सफलता की कामना की है। उनकी यह कामयाबी लगन, लगन और बेहतरीन काम का सबूत है, जिससे नेशनल पढाई के मैदान पर डिब्रूगढ.का नाम और बढेगा।

खोवांग ब्लॉक कार्यालय में वेक्टर-जनित रोगों पर जागरूकता बैठक आयोजित

डिब्रूगढ:(अर्णव शर्मा) २९ मई : वेक्टर-जनित रोगों के प्रति सामुदायिक जागरूकता और निवारक उपायों को मजबूत करने के प्रयास में, डिब्रूगढ.जिले के खोवांग स्थित ब्लॉक विकास अधिकारी (BDO) के कार्यालय में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। यह कार्यक्रम पंचायती राज संस्था (PRI) के सदस्यों को मलेरिया, डेंगू, जापानी एन्सेफलाइटिस और अन्य वेक्टर-जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के बारे में शिक्षित करने की एक पहल के तहत आयोजित किया गया था। इस जागरूकता सत्र का नेतृत्व राष्ट्रीय वेक्टर-जनित रोग नियंत्रण केंद्र (NCVBDC), डिब्रूगढ.के जिला सलाहकार ने किया; इस दौरान PRI प्रतिनिधि और खोवांग विकास खंड के NCVBDC कर्मचारी भी उपस्थित थे।सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को मच्छरों के प्रभावी नियंत्रण उपायों, रोग निवारण रणनीतियों, शीघ्र पहचान और समय पर उपचार के महत्व, तथा वेक्टर-जनित रोगों के प्रसार को कम करने में सामुदायिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि मौसमी प्रकोपों से समुदायों को सुरक्षित रखने और बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों को सुनिश्चित करने में जन जागरूकता और सामूहिक कार्रवाई प्रमुख घटक बने हुए हैं।

डिब्रूगढ.ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने साइकिल चलाने वालों की सेफ्टी के लिए रिफ्लेक्टिव टेप ड्राइव शुरू की

डिब्रूगढ:(अर्णव शर्मा) २९ मई : रोड सेफ्टी बढाने की दिशा में एक एक्टिव कदम उठाते हुए, डिब्रूगढ.के डिस्ट्रिक्ट ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने एक खास रिफ्लेक्टिव टेप ड्राइव शुरू की है, जिसका मकसद जिले के चार-लेन वाले नेशनल हाईवे पर चलने वाले साइकिल चलाने वालों की विजिबिलिटी और सेफ्टी को बेहतर बनाना है।हाईवे एक्सपेंशन प्रोजेक्ट के पूरा होने के साथ, पूरे इलाके में गाडियों की आवाजाही काफी बढ.गई है। हालांकि, ट्रैफिक बढने के साथ-साथ रोड एक्सीडेंट की संख्या भी बढ.रही है। अधिकारियों ने ग्रामीण और चाय बागान इलाकों के साइकिल चलाने वालों से जुडी घटनाओं पर खास चिंता जताई है, खासकर रात में रोड क्रॉस करते समय, जहां कम विजिबिलिटी के कारण कई दुर्भाग्यपूर्ण एक्सीडेंट हुए हैं। इस समस्या को हल करने के लिए, डिस्ट्रिक्ट ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने साइकिलों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने की शुरुआत की है। रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि साइकिल चलाने वाले काफी दूर से ही गाडी चलाने वालों को ज़्यादा दिखाई दें, खासकर कम रोशनी में, जिससे ड्राइवर समय पर रिएक्ट कर सकें और इस तरह टक्कर का खतरा कम हो सके।
अधिकारियों ने बताया कि यह पहल डिपार्टमेंट की सडक़ सुरक्षा और जागरूकता की बडी कोशिशों का हिस्सा है, जिसका फोकस सडक़ इस्तेमाल करने वालों की सुरक्षा पर है। इस कैंपेन से सैकडों साइकिल चलाने वालों को फायदा होने की उम्मीद है जो डिब्रूगढ. जिले में नेशनल हाईवे नेटवर्क से मिलने वाली सडक़ों का रेगुलर इस्तेमाल करते हैं।प्रशासन ने साइकिल चलाने वालों और आम लोगों से भी अपील की है कि वे कैंपेन में एक्टिव रूप से हिस्सा लें और सभी के लिए सुरक्षित सडक़ें बनाने में मदद के लिए सडक़ सुरक्षा के तरीके अपनाएं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- UPSC में कभी पेपर लीक नहीं हुआ: NTA को उनसे सीखने की जरूरत, जवाबदेही तय होने तक ये घटनाएं नहीं रुकेंगी

नई दिल्ली (एजें) २९ मई : नीट पेपर लीक मामले में पिछले २० दिनों से देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA), यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (णउऋ) और अन्य ने छ्ढअ को भंग करने के लिए याचिकाएं लगाई हैं। - Dainik इहरीझ्ञरीनीट पेपर लीक मामले में पिछले २० दिनों से देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA), यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (UDF) और अन्य ने छ्ढअ को भंग करने के लिए याचिकाएं लगाई हैं।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को छ्एएढ-णऋपेपर लीक मामले पर कहा कि जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं। कोर्ट में मौजूद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) से सवाल किया कि णझडउ तो आपसे बडे. पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। NTA को उनसे सीखने की जरूरत है।सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद छ्एएढ पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो।केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से छ्एएढ-णऋपरीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पेपर लीक के बाद बडे.लेवल पर सुधार किए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम युवाओं को लेकर गंभीर हैं। NEET-णऋरी-टेस्ट के लिए नए तरीके अपनाए गए हैं।देशभर में ३ मई को छ्एएढ-णऋ परीक्षा हुई थी। ७ मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। १२ मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। २१ जून को री-एग्जाम होगा।सुप्रीम कोर्ट ने छ्ढअ को भंग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान २०२४ में छ्एएढ पेपर लीक के बाद बनाई गई हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन से पूछा कि सिफारिशों और सुधारों के बावजूद इस बार नाकामी क्यों हुई।

राधाकृष्णन ने बताया कि समिति की अधिकांश सिफारिशें लागू की जा चुकी हैं। NEET-PG 2025 सफल रहा और इस साल सामने आई कमजोरियों को आगामी री-टेस्ट से पहले दूर किया जा रहा है।

कोर्ट ने कहा- NTA अभी स्थायी और मजबूत संस्था की तरह काम नहीं कर रही है। केंद्र सरकार NTA को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि NTA को IIT और दूसरे बडे.संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए, ताकि भविष्य में परीक्षाएं सुरक्षित तरीके से हो सकें।फुटबॉल खेलते समय पानी में डूबने से दो छात्रों की दर्दनाक मौत, शोक में डूबा हाइलाकांदी का चिपसांगन क्षेत्रप्रीतम दास हाइलाकांदी, २९ मई :असम के हाइलाकांदी जिले के पांचग्राम थाना अंतर्गत चिपसांगन गांव में फुटबॉल खेलते समय पानी में डूबने से दो स्कूली छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। गुरुवार शाम हुई इस दुखद घटना से स्थानीय निवासी परिजन और सहपाठी स्तब्ध हैं। मृत दोनों छात्रों की पहचान अनुपम सिन्हा (१६) और अभिनव सिन्हा (१३) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों अपने दोस्तों के साथ गांव के मैदान में फुटबॉल खेल रहे थे। खेल के दौरान गेंद पास के एक गहरे जलाशय में चली गई। गेंद निकालने के लिए सबसे पहले अनुपम सिन्हा पानी में उतरा, लेकिन जलाशय अधिक गहरा होने के कारण वह डूबने लगा। अपने मित्र को संकट में देखकर अभिनव सिन्हा उसे बचाने के लिए पानी में कूद पडा परंतु वह भी गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर काफी प्रयास के बाद दोनों किशोरों को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पांचग्राम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाइलाकांदी सिविल अस्पताल भेज दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। बाद में शोकाकुल परिवार और रिश्तेदारों की उपस्थिति में दोनों छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया।परिवार सूत्रों के अनुसार अनुपम सिन्हा पांचग्राम के कैम्ब्रिज स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता का नाम असीम सिन्हा है और उनका घर कछार जिले के पूर्व शिंगारी क्षेत्र में है। वहीं अभिनव सिन्हा जवाहर नवोदय विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता सुकांत सिन्हा हैं और उनका घर चिपसांगन गांव में स्थित है। दो प्रतिभाशाली छात्रों की असमय मृत्यु से चिपसांगन और पांचग्राम क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। स्कूल के शिक्षक, छात्र और स्थानीय निवासी इस घटना से बेहद दुखी हैं। कई लोगों को रोते हुए देखा गया। सभी ने इस घटना को अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में क्षेत्र के विभिन्न जलाशयों में पानी का स्तर और गहराई खतरनाक रूप से बढ.जाती है, जिससे बच्चों और किशोरों के लिए बडे.हादसों की आशंका बनी रहती है। इसलिए प्रशासन से जलाशयों के आसपास सुरक्षा संबंधी उचित व्यवस्था करने की मांग भी उठाई गई है। दो किशोरों की असामयिक मृत्यु से पूरा हाइलाकांदी जिला शोक में डूब गया है।

नीट पेपर की सुरक्षा के लिए सरकार ले सकती है वायुसेना की मदद, री-टेस्ट को लेकर हाई अलर्ट

नई दिल्ली. (एजें) २९ मई : नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार अब परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती. इसी कडी में सरकार ने नीट परीक्षा सामग्री के सुरक्षित परिवहन और लॉजिस्टिक सहायता के लिए भारतीय वायुसेना की मदद लेने की संभावना पर विचार शुरू कर दिया है. सूत्रों के मुताबिक इस संबंध में गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह, रक्षा अधिकारियों और डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया.बताया जा रहा है कि बैठक में नीट-यूजी री-टेस्ट को सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से आयोजित कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई. हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि भारतीय वायुसेना की सहायता केवल नीट परीक्षा तक सीमित रहेगी या अन्य अखिल भारतीय परीक्षाओं के लिए भी ऐसी व्यवस्था लागू की जा सकती है.सूत्रों के अनुसार इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी बेहद सीमित

समय में दोबारा परीक्षा कराने की तैयारी कर रही है. सामान्य परिस्थितियों में नीट-यूजी जैसी बडी परीक्षा की तैयारियों में लगभग छह महीने का समय लगता है, लेकिन इस बार पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द होने के बाद एजेंसी को महज ३८ दिनों के भीतर पूरी प्रक्रिया दोबारा शुरू करनी पड.रही है. ऐसे में केंद्र सरकार ङ्कहोल ऑफ गवर्नमेंट अप्रोचङ्क यानी सभी विभागों और एजेंसियों के समन्वय से काम करने की रणनीति पर आगे बढ.रही है.गौरतलब है कि नीट-यूजी परीक्षा इस वर्ष ३ मई को आयोजित हुई थी, जिसमें २२ लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था. बाद में पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद १२ मई को परीक्षा रद्द कर दी गई. इसके बाद १५ मई को एनटीए ने घोषणा की कि री-टेस्ट २१ जून को आयोजित किया जाएगा. इस पूरे मामले की जांच फिलहाल केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई कर रही है.सूत्रों का कहना है कि इस बार परीक्षा मानसून के दौरान आयोजित हो रही है, जिससे लॉजिस्टिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां और बढ.गई हैं. कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां भारी बारिश और बाढ. की स्थिति के कारण परीक्षा सामग्री समय पर पहुंचाना मुश्किल हो सकता है. विशेष रूप से असम, बिहार और अन्य बाढ.प्रभावित इलाकों का जिक्र किया जा रहा है. इसके अलावा लक्षद्वीप जैसे द्वीपीय क्षेत्रों में मानसून के दौरान फेरी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिससे परीक्षा सामग्री की आवाजाही बाधित हो सकती है. ऐसे हालात में हवाई सहायता को महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है.सरकारी सूत्रों के मुताबिक री-टेस्ट के सफल संचालन के लिए सेना, वायुसेना, अर्धसैनिक बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन और डाक सेवाओं समेत कई एजेंसियों की मदद ली जा सकती है. परीक्षा सामग्री की गोपनीयता और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करना सरकार की सबसे बडी प्राथमिकता बन गया है.सूत्रों ने बताया कि पेपर लीक की घटना के बाद सरकार इस बार किसी भी स्तर पर चूक नहीं चाहती. इसलिए प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण और परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए नई रणनीतियों पर काम किया जा रहा है. संभावना जताई जा रही है कि संवेदनशील क्षेत्रों में प्रश्नपत्रों को विशेष सुरक्षा व्यवस्था के साथ भेजा जाएगा.

इस पूरे घटनाक्रम ने देश की सबसे बडी मेडिकल प्रवेश परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल खडे.कर दिए हैं. लाखों छात्रों और अभिभावकों के बीच परीक्षा प्रक्रिया को लेकर चिंता और तनाव बना हुआ है. ऐसे में सरकार पर निष्पक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित परीक्षा आयोजित कराने का भारी दबाव है.विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वायुसेना जैसी एजेंसियों को परीक्षा लॉजिस्टिक्स में शामिल किया जाता है तो यह देश की परीक्षा प्रणाली में सुरक्षा को लेकर एक बडा और अभूतपूर्व कदम होगा. हालांकि इसके साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर देश की प्रमुख परीक्षाओं को इस स्तर की सुरक्षा की जरूरत क्यों पड.रही है.फिलहाल सरकार और एनटीए की ओर से आधिकारिक रूप से कोई विस्तृत घोषणा नहीं की गई है, लेकिन संकेत साफ हैं कि इस बार नीट-यूजी री-टेस्ट को लेकर केंद्र सरकार पूरी ताकत और संसाधनों के साथ तैयारी कर रही है ताकि पेपर लीक जैसी घटना दोबारा न हो और छात्रों का भरोसा बहाल किया जा सके.

एनटीपीसी बोंगाईगांव को मिली दोहरी राष्ट्रीय उपलब्धि, सुरक्षा और सीएसआर क्षेत्र में मिला सम्मान

कोकराझार २९ मई : : एनटीपीसी बोंगाईगांव ने परिचालन उत्कृष्टता, कार्यस्थल सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए हैं। यह सम्मान संस्थान के सतत प्रयासों और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है।संस्थान को इंटरनेशनल बिजनेस कॉन्फ्रेंस (IBC) द्वारा 'OHS&E एक्सीलेंस अवार्ड २०२६' के 'गोल्ड कैटेगरी' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (जक्ढ।ए) प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया है। एनटीपीसी बोंगाईगांव की ओर से यह सम्मान एजीएम (सुरक्षा) श्री राजीव रंजन ने ग्रहण किया।अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व (उडठ) की भूमिका को और मजबूत करते हुए, एनटीपीसी बोंगाईगांव को 'स्वास्थ्य सेवा संवर्धन (ग्रामीण)' श्रेणी में '१२वां ग्रीनटेक सीएसआर पुरस्कार २०२६' प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढाने और सामुदायिक कल्याण के लिए किए गए सराहनीय कार्यों को मान्यता देता है। यह सम्मान सीएसआर विभाग की कार्यकारी सुश्री स्मृति दास ने प्राप्त किया।पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, इन्हें एनटीपीसी बोंगाईगांव के परियोजना प्रमुख श्री अर्नब मैत्रा को सौंपा गया। श्री मैत्रा ने सुरक्षा और सीएसआर टीमों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हमारे कर्मचारियों और हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने सभी से भविष्य में भी सुरक्षा मानकों, पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक कार्यों में उत्कृष्टता के साथ काम करने का आग्रह किया। ?ये सम्मान एनटीपीसी बोंगाईगांव की कार्यक्षमता और एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में राष्ट्र के विकास में योगदान देने के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

हैदराबाद सत्याग्रह के बलिदानी नन्हू सिंह

१५ अगस्त, १९४७ को अंग्रेजों ने भारत को स्वतन्त्र कर दिया; पर इसके साथ ही वे यहाँ की सभी रियासतों, राजे-रजवाडों को यह स्वतन्त्रता भी दे गये, कि वे अपनी इच्छानुसार भारत या पाकिस्तान में जा सकती हैं। देश की सभी रियासतें भारत में मिल गयीं; पर जूनागढ. और भाग्यनगर (हैदराबाद) टेढी-तिरछी हो रही थीं। इन दोनों के मुखिया मुसलमान थे। हैदराबाद में यों तो हिन्दुओं की जनसंख्या सर्वाधिक थी, पर पुलिस शत-प्रतिशत मुस्लिम थी। अतः हिन्दुओं का घोर उत्पीडऩ होता था। उनकी कहीं सुनवाई नहीं थी।

हैदराबाद के निजाम की इच्छा स्वतन्त्र रहने या फिर पाकिस्तान में मिलने की थी। वह इसके लिए प्रयास कर रहा था। तत्कालीन गृहमन्त्री सरदार पटेल ने वहाँ पुलिस कार्यवाही कर उसे भारत में मिला लिया; पर इस मिलन से अनेक वर्ष पूर्व वहाँ की स्थानीय हिन्दू जनता ने हिन्दू महासभा तथा आर्य समाज के साथ मिलकर एक बडा आन्दोलन चलाया, जिसमें सैकडों लोग बलिदान हुए और हजारों ने चोट खाई। इस सत्याग्रह में देश भर से लोग सहभागी हुए।बुन्देलखंड के निवासी धार्मिक प्रवृत्ति के श्री गणेश सिंह के सुपुत्र नन्हू सिंह अमरावती में मजदूरी कर जीवनयापन करते थे। स्पष्ट है कि उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी; पर जब सत्याग्रह का आह्वान हुआ, तो वे भी अमरावती के नानासाहब भट्ट के साथ इस पथ पर चल दिये। इस काम में उनकी गरीबी बाधा नहीं बनी। वे उस समय ५२ वर्ष के थे। उन्होंने भी हैदराबाद जाकर सत्याग्रह किया और गिरफ्तारी दी।नन्हू सिंह जी को चंचलगुडा जेल में रखा गया। जेल में इन सत्याग्रहियों के साथ पशुओं जैसा व्यवहार किया जाता था। यद्यपि जेल में रहने वालों के लिए सब जगह कुछ नियम हैं; पर हैदराबाद जेल में इन नियमों को कोई नहीं पूछता था। सत्याग्रहियों को गन्दा और स्वादहीन भोजन बहुत कम मात्रा में मिलता था। छोटी सी बात पर मारपीट करना सामान्य सी बात थी।२६ मई, १९३९ को नन्हू सिंह जी नहा रहे थे कि वहाँ खडे. मुस्लिम जेलरक्षक ने नल बन्द कर दिया। इस पर दोनों में कहासुनी हो गयी और जेलरक्षक ने लाठी प्रहार से उनका सिर फोड.दिया। उन्हें जेल के अस्पताल भेजा गया, जहाँ इलाज के अभाव में २९ मई को उनके प्राण पखेरू उड.गये। उनके शव को एक कपडे.व टाट में लपेट कर एक अँधेरे स्थान पर फेंक दिया गया, जिससे किसी को उनकी मृत्यु का पता न लगे। इसके बाद आधे-अधूरे ढंग से चुपचाप उनके शव को फूँक दिया गया।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने निजाम को कई बार तार भेजे; पर उनका कोई उत्तर नहीं आया। इस पर सत्याग्रह समिति की ओर से श्री हरिश्चन्द्र विद्यार्थी जेल अधिकारियों से मिले, जिन्होंने उनकी मृत्यु का कारण निमोनिया बताया। काफी प्रयत्न के बाद नन्हू सिंह जी का आधा जला शव मिल सका। उनका धड.तथा खोपडी के टुकडे.अलग-अलग पडे.थे।अन्ततः ऐसे वीरों का बलिदान रंग लाया। १७ सितम्बर, १९४८ को हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। यह दुर्भाग्य की बात है कि दो-चार दिन के लिए जेल जाने वालों को शासन ने स्वतन्त्रता सेनानी मान कर अनेक सुविधाएँ दीं; पर इस आन्दोलन के सत्याग्रहियों और बलिदानियों को शासन ने याद भी नहीं किया; क्योंकि यह आन्दोलन कांग्रेस के नेतृत्व में नहीं हुआ था।

यूनियन जॉइंट सेक्रेटरी ने तिनसुकिया में PM SHRI स्कूलों का रिव्यू किया, क्वालिटी एजुकेशन और NEP २०२० को लागू करने पर जोर दिया

तिनसुकिया: (अर्णव शर्मा) २९ मई : प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (PM SHRI) पहल को असरदार तरीके से लागू करने की जांच करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, भारत सरकार के माइनॉरिटी अफेयर्स मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेटरी राम सिंह ने तिनसुकिया जलिे का दौरा किया और झच SHRI स्कूलों का पूरा रिव्यू किया।अपने दौरे के दौरान, जॉइंट सेक्रेटरी ने झच ड्क्ळख केंद्रीय विद्यालय तिनसुकिया, झच ड्क्ळख बोर्डुबी हायर सेकेंडरी स्कूल और PM SHRI गोपाल कृष्ण गर्ल्स हाई स्कूल का इंस्पेक्शन किया। उन्होंने झच ड्क्ळख स्कीम के तहत अलग-अलग एजुकेशनल प्रोग्राम और एक्टिविटी को लागू करने के बारे में सीधे जानकारी लेने के लिए स्कूल हेड, टीचर, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के मेंबर, पेरेंट्स, स्टूडेंट्स, क्लस्टर रिसोर्स सेंटर कोऑर्डिनेटर (CRCCs), और ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (BRPs) के साथ डिटेल में बातचीत की।

राम सिंह ने एकेडमिक तरीकों, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्कूल के पूरे कामकाज का रिव्यू किया, साथ ही एजुकेशनल नतीजों को मजबूत करने के मकसद से कीमती सुझाव भी दिए। उन्होंने क्लासरूम की सुविधाओं, पीने के पानी के इंतजाम, सफाई और हाइजीन के स्टैंडर्ड, टॉयलेट की मौजूदगी और मेंटेनेंस, साथ ही कंप्यूटर लैब, साइंस लैब और स्मार्ट बोर्ड के इस्तेमाल को करीब से देखा।आए अधिकारी ने शिक्षा की क्वालिटी सुधारने और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (छ्एझ) २०२० को असरदार तरीके से लागू करने की अहमियत पर भी जोर दिया। स्टूडेंट्स से बातचीत करते हुए, उन्होंने कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी के बारे में गाइडेंस शेयर की, जिसमें सही प्लानिंग, लगातार प्रैक्टिस और असरदार टाइम मैनेजमेंट की अहमियत पर जोर दिया गया।PM SHRI गोपाल कृष्ण गर्ल्स हाई स्कूल में, उन्होंने पीरियड्स के दौरान हाइजीन मैनेजमेंट और अवेयरनेस पर फोकस करने वाले एक ट्रेनिंग सेशन को भी देखा, और पीरियड्स के दौरान स्टूडेंट्स को हेल्थ और सेफ्टी के बारे में एजुकेट करने की कोशिशों की तारीफ. की।जॉइंट सेक्रेटरी के साथ इंस्पेक्शन के दौरान एडिशनल डिप्टी कमिश्नर खुशी कनेरिया, इंस्पेक्टर ऑफ.स्कूल्स मदन पेगु और डिस्ट्रिक्ट एलिमेंट्री एजुकेशन ऑफिसर बिंती शर्मा भी थे, जिन्होंने रिव्यू प्रोसेस को आसान बनाया और डिस्ट्रिक्ट की एजुकेशनल पहलों के बारे में जरूरी इनपुट दिए। बाद में, राम सिंह ने गेलापुखुरी के सर्किट हाउस में डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर सुमित सत्तावन, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नरों और एजुकेशन डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ एक मीटिंग की।मीटिंग में जिले में एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर, लर्निंग आउटकम और स्कूल के ओवरऑल डेवलपमेंट को और बेहतर बनाने के उपायों की पहचान करने पर फोकस किया गया। जॉइंट सेक्रेटरी ने झच ड्क्ळख स्कूलों का असर बढाने और तिनसुकिया जिले में एजुकेशन की क्वालिटी को मजबूत करने के लिए भविष्य में किए जाने वाले उपायों के लिए सुझाव भी दिए।

कोकराझार: अवैध रूप से साल के पेड.काटने के आरोप में BPF नेता अबुल शेख गिरफ्तार

कोकराझार: २९ मई : असम के कोकराझार जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए VCDC (विलेज काउंसिल डेवलपमेंट कमिटी) के अध्यक्ष और इझऋ (बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट) के केंद्रीय सांगाठानिक सचिव अबुल शेख को गिरफ्तार किया है। आरोपी अबुल शेख को इढउ (बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल) के कार्यकारी सदस्य मुनमुन ब्रह्मा का करीबी माना जाता है। ?पुलिस के अनुसार, अबुल शेख पर पर्वतझोरा अनुमंडल के महामाया वन क्षेत्र में बेशकीमती साल के पेडों की अवैध कटाई में संलिप्त होने का गंभीर आरोप है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गुरुवार रात उसे बगरीबारी से गिरफ्तार किया। शुक्रवार दोपहर उसे कोकराझार सदर थाने लाया गया। ?पुलिस की प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि अबुल शेख न केवल लकडी की तस्करी, बल्कि पहाडि़यों से अवैध रूप से लाल मिट्टी (ठशव डेळश्र) खोदने और उसकी तस्करी के रैकेट में भी शामिल रहा है। ?शुक्रवार शाम को पुलिस ने आरोपी का कोकराझार के आरएनबी (RNB) अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराया। चिकित्सा जांच के बाद उसे कोकराझार की स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस आगे की पूछताछ के लिए उसकी रिमांड की मांग कर सकती है। ?इस गिरफ्तारी के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है।

गया जिले के गुरुआ पहुंची श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की टीम, पत्रकार से मारपीट मामले की जांच

यज्ञ के पुजारी ने स्पष्ट कहा कि पत्रकार द्वारा प्रकाशित खबर में कोई गलती नहीं

अनिल मिश्र/पटना २९ मई: बिहार प्रदेश की राजधानी पटना से प्रकाशित एक हिन्दी दैनिक अखबार (दैनिक भास्कर)के बिहार प्रदेश के गया जिला अंतर्गत गुरूआ के मुफस्सिल पत्रकार अमित कुमार के साथ हुई मारपीट, अपहरण और धमकी की घटना की जांच करने बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन गया जिला इकाई की पांच सदस्यीय टीम बुधवार को गुरुआ पहुंची। टीम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रंजन सिन्हा कर रहे थे। जांच के दौरान टीम ने घटना स्थल, यज्ञ स्थल और आसपास के लोगों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी जुटाई।इस बाबत जांच टीम सबसे पहले उस स्थान पर पहुंची, जहां आरोप है कि भाजपा नेता अमित दांगी ने अपने सहयोगियों के साथ पत्रकार अमित कुमार के साथ मारपीट की और उन्हें जबरन उठाकर ले गए। इसके बाद टीम यज्ञ स्थल पहुंची, जहां मौजूद लोगों और स्थानीय ग्रामीणों से घटना को लेकर जानकारी ली।इस जांच के दौरान टीम ने कहा कि यदि घटना के समय का करीब एक घंटे का सीसीटीवी फुटेज देखा जाये तो पूरे मामले की सच्चाई स्पष्ट रूप से सामने आ जाएगी। टीम ने यज्ञ करा रहे अयोध्या के पुजारी सीताराम दास जी से भी बातचीत की।इस संबंध में पुजारी ने स्पष्ट कहा कि पत्रकार द्वारा प्रकाशित खबर में कोई गलती नहीं थी।इस संबंध में उन्होंने बताया कि उनकी पत्रकार अमित कुमार से मोबाइल पर बातचीत हुई थी और यज्ञ से संबंधित जानकारी भी साझा की गई थी। घटना के एक से दो घंटे के अंदर का आरोपियों और पीडति का मोबाइल नंबर का लोकेशन का लोकेशन और डीआर जांच किया जाएगा तो सारा मामला स्पष्ट हो जाएगा। अमित कुमार को दुकान से उठाकर कहां ले जाया गया किस रूट से ले जाया गया और कितनी देर रखा गया है। बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की जांच टीम ने कहा कि प्रारंभिक जांच में भाजपा नेता अमित दांगी पर लगाए गए आरोप सही प्रतीत हो रहे हैं। सार्वजनिक रूप से आयोजित कार्यक्रम की रिपोर्टिंग पत्रकार का कर्तव्य भी है। यूनियन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। जांच टीम में वरिष्ठ पत्रकार एवं यूनियन के मार्गदर्शन मंडल के सदस्य कमलेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप रंजन, अभिषेक कुमार, धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य पत्रकार शामिल थे।यह जानकारी हरिबंश कुमार जिला मीडिया प्रभारी बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन गया इकाई ने दी है।

दूल्हे ने पूरे गांव को दे डाला ३३.६ करोड.रुपए का तोहफा

नांदेड (एजें) २८ मई :. आमतौर पर शादियों में जब मेहमान विदा होते हैं, तो उन्हें रिटर्न गिफ्ट में मिठाई, कपडे.या कोई सजावटी सामान दिया जाता है. लेकिन, महाराष्ट्र के नांदेड.जिले से एक ऐसी अनोखी शादी का मामला सामने आया है, जिसने रिटर्न गिफ्ट की पूरी परिभाषा ही बदल कर रख दी है. यहां एक दूल्हे और उसके परिवार ने अपनी खुशियों को सामाजिक सरोकार से जोडते हुए पूरे गांव को ३३.६ करोड.रुपये का एक ऐसा नायाब तोहफा दिया है, जिसकी चर्चा आज पूरे देश में हो रही है. इस अनमोल उपहार ने गांव के हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान ला दी है.जानिए क्या है वह ३३.६ करोड.का अनूठा तोहफा-यह प्रेरणादायक मामला कंधार तहसील के बहादरपुरा गांव का है. बीते २० मई को गांव के रहने वाले सिद्धेश्वर पेठकर की बडे.ही धूमधाम से शादी हुई थी. शादी का जश्न, बैंड-बाजा और लाइटिंग सब कुछ बेहद शानदार था, लेकिन पेठकर परिवार इस मौके पर फिजूलखर्ची करने के बजाय अपनी दूरगामी सोच का परिचय देना चाहता था. उन्होंने बहादरपुरा गांव के सभी ३,४६५ नागरिकों को एक-

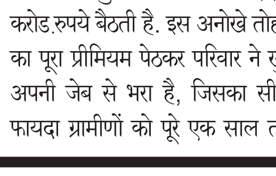

एक लाख रुपये का 'सामूहिक दुर्घटना बीमा कवर उपहार में दे दिया. पूरे गांव के हिसाब से इस सामूहिक पॉलिसी की कुल कवर राशि करीब ३३.६ करोड.रुपये बैठती है. इस अनोखे तोहफे का पूरा प्रीमियम पेठकर परिवार ने खुद अपनी जेब से भरा है, जिसका सीधा फायदा ग्रामीणों को पूरे एक साल तक मिलेगा.इसलिए लिया गया सुरक्षा कवच देने का बडा फैसला -दूल्हे के परिवार ने इस दरियादिली के पीछे की असल वजह बताते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में खेती-किसानी के दौरान मशीनरी से होने वाले हादसों, सांप के काटने या आकाशीय बिजली गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है. ऐसी दुर्घटनाओं के कारण अक्सर गरीब और किसान परिवारों पर अचानक आर्थिक संकट का पहाड.टूट पडता है. ग्रामीणों को इसी अनिश्चितता से बचाने और उन्हें एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया. बिना भागदौड.और कागजी कार्रवाई के मिला लाभ इस नेक योजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए पेठकर परिवार ने ग्राम पंचायत का सहयोग लिया. गांव की आधिकारिक मतदाता सूची सीधे बीमा कंपनी को सौंप दी गई. इसका सबसे बडा फायदा यह हुआ कि बिना किसी भेदभाव, जटिल कागजी कार्रवाई या भागदौड.के गांव का हर एक पात्र नागरिक इस सुरक्षा नीति से जुड.गया. शादी के जश्न में मिले इस सुरक्षा रूपी रिटर्न गिफ्ट की आज हर तरफ जमकर सराहना हो रही है.

सारकॉइडोसिस को टी.बी न समझें

ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी.) से मिलती-जुलती एक अन्य बीमारी है,जिसे सारकॉइडोसिस कहते हैं। टी.बी. की बीमारी की तरह यह भी शरीर के किसी भी भाग को प्रभावित कर सकती है, हालांकि 90 प्रतिशत रोगियों में यह रोग टी.बी. की तरह फेफड़ों को प्रभावित करता है।

पहले ऐसा समझा जाता है था कि सारकॉइडोसिस नाम की बीमारी देश में नहीं पायी जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों में इस रोग से काफी लोग ग्रस्त हो चुके हैं, जिसका सिलसिला जारी है। चूंकि इस रोग के लक्षण टी.बी. की बीमारी से मिलते-जुलते हैं। इसलिए दोनों में अंतर करना डॉक्टर और रोगी दोनों के लिए कठिन कार्य है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि सारकॉइडोसिस के रोगी का इलाज टी.बी. की दवाओं से होता है। अंततः डॉक्टर को यह पता चलता है कि पीड़ित व्यक्ति को टी.बी. की बीमारी थी ही नहीं और वह सारकॉइडोसिस की बीमारी से प्रभावित था।

लक्षण

- प्रारंभिक स्थिति में अधिकतर रोगियों में सूखी खांसी, हल्का बुखार, हाथ पैरों में दर्द और कभी-कभी सांस फूलना आदि लक्षण प्रकट होते हैं।
- जब बीमारी कुछ बढ़ने लगती है, तब फेफड़े के अंदर बड़ी-बड़ी गांठें बन जाती हैं और फेफड़े का आकार छोटा होता जाता है।
- रोगी की लगातर सांस फूलने लगती है और खांसी में आराम नहीं मिलता।
- जब शरीर के दूसरे अंग प्रभावित होते हैं, तब रोगी की तकलीफें बढ़ने लगती हैं। जैसे आंख के प्रभावित होने पर आंखों की रोशनी कम हो जाती है। त्वचा में कभी-कभी लाल रंग के चकत्ते बन जाते हैं। लिवर और तिल्ली का आकार बड़ा हो जाता है।
- कभी-कभी सारकॉइडोसिस से मस्तिष्क और गुर्दे पर भी असर होने लगता है। रोग की चरम अवस्था में हृदय व गुर्दे भी काम करना बंद कर देते हैं और पूरे शरीर में सूजन आ जाती है।
- शरीर में पानी की मात्रा अधिक होने से शरीर का वजन बढ़ जाता है और रोगी चल-फिर भी नहीं पाता। यह बीमारी की अंतिम अवस्था है। वैसे तो यह बीमारी गंभीर नहीं होती है, लेकिन जब गुर्दो और मस्तिष्क पर यह प्रभाव डालती है, तब यह लाइलाज बन जाती है।

उपचार

प्रारंभिक अवस्था में अधिकतर रोगियों में बीमारी स्वयं ही समाप्त हो जाती है, लेकिन रोग की अवस्था बढ़ने पर अधिकतर मामलों में दवाओं के नाम पर स्टेरॉयड का प्रयोग लगभग एक वर्ष तक किया जाता है। थोड़ी-सी सावधानी और जानकारी से इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है।

जब दम घुटता है पैरों का...

वैसे तो सी.वी.आई. नामक रोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों को हो सकता है, लेकिन, महिलाओं में यह बीमारी सामान्य तौर पर गर्भावस्था या बच्चों को जन्म देने के बाद शुरू होती है। पहले यह रोग ज्यादातर ग्रामीण व शहरी अंचलों में रहने वाली महिला गृहणियों तक ही सीमित था, पर मौजूदा दौर में यह रोग युवकों वयुवतयों में तेजी से फैल रहा है। इसका कारण आज की आधुनिक जीवन-शैली व नये उभरते रोजगारों से संबंधित अपेक्षाएं हैं। शारीरिक व्यायाम व पैदल चलना आज के युग में नगण्य हो गया है। काल सेन्टर या रिसेप्शन काउन्टर पर काम करने वाले युवक व युवतियां इस रोग की शिकार हो रही हैं। स्टाक एक्सचेंज व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों में कंप्यूटर के सामने घंटों पैर लटकाकर बैठने वालों में यह रोग तेजी से पनप रहा है। ट्रैफिक पुलिसमैन, व होटलों के रसोईघर में काम करने वाले लोग भी सी.वी.आई. से ग्रस्त हो रहे हैं।

क्यों बनते हैं ये निशान

शरीर के अन्य अंगों की तरह टांगों को भी ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। यह ऑक्सीजन धमनियों (आर्टरीज) में प्रवाहित शुद्ध खून के जरिये पहुंचायी जाती है। टांगों को ऑक्सीजन देने के बाद यह ऑक्सीजनरहित अशुद्ध रक्त शिराओं (वेन्स) के जरिये वापस टांगों से ऊपर फेफड़े की तरफ शुद्धीकरण के लिये ले जाया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि ये शिराएं टांगों के ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण करती हैं। शिराओं की कार्यप्रणाली अगर किसी कारण से शिथिल हो जाती है, तो टांग व पैर का ड्रेनेज सिस्टम चरमरा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि अशुद्ध खून ऊपर चढ़कर फेफड़े की ओर जाने की बजाय टांगों के निचले हिस्से में इकट्ठा होने लगता है। फिर शुरू होता है पैरों में सूजन और काले निशानों का उभरना। अगर समय रहते इनका समुचित इलाज किसी वैस्क्युलर सर्जन से नहीं कराया गया, तो टांगों में उभरे काले निशान धीरे-धीरे और गहरे व आकार में बढ़ते जाते हैं, जो अंततः लाइलाज घावों में परिवर्तित हो सकते हैं।

कारण

सी. वी. आई. के पनपने के कई कारण हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रमुख है डीप वेन थ्रॉम्बोसिस यानी डी.वी.टी.। इस रोग में टांगों की (शिराओं) में रक्त के कतरे जमा हो जाते हैं। ये कतरे बीमारी के बाद अक्सर पूरी तरह गायब नहीं हो पाते और अगर कुछ हद तक गायब हो भी जाते हैं, तो भी वेन के अंदर स्थित कपाटों को नष्ट कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि शिराओं के जरिये अशुद्ध खून के ऊपर चढ़ने की प्रक्रिया बुरी तरह से बाधित हो जाती है। डी. वी. टी. के कुछ रोगियों में खून के कतरे शिराओं के अंदर स्थायी रूप से मौजूदरहते हैं।

व्यायाम न करना

सी. वी. आई. का दूसरा प्रमुख कारण व्यायाम न करने और पैदल कम चलने से संबंधित है। रोजाना पैदल कम चलने से या टांगों की कसरत न करने से टांगों की मांसपेशियों द्वारा निर्मित पम्प (जो अशुद्ध खून को ऊपर चढ़ाने में मदद करता है) कमजोर पड़ जाता है। कुछ लोगों की शिराओं में स्थित कपाट (वाल्व) जन्म से ही ठीक से विकसित नहीं हो पाते, ऐसे रोगियों में सी.वी.आई. के लक्षण कम उम्र में ही प्रकट होने लगते हैं।

जांचे

काले निशानों का कारण जानने के लिए वेन्स डॉप्लर स्टडी, एम. आर. वेनोग्राम, व कभी-कभी एंजियोग्राफी का सहारा लिया जाता है। रक्त की जांचें भी करायी जाती हैं।

इलाज

इन विशेष जांचों के आधार पर ही सी. वी. आई. के इलाज का निर्धारण किया जाता है। ज्यादातर रोगियों में दवा देने से और विशेष व्यायाम करने से राहत मिल जाती है, लेकिन कुछ रोगियों में ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है। मौजूदा दौर में वेन्स वाल्वोप्लास्टी, एक्सीलरी वेन ट्रांसफर या वेन्स बाईपास सर्जरी जैसी आधुनिकतम तकनीकों की मदद से रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

सजगता बरतें

अगर आपकी टांगों पर काले निशान हैं, तो ये सावधानियां बरतें.

1. टांग व कमर के चारों ओर कसे हुए कपड़े न पहनें। पुरुष टाइट अंडरवियर व महिलाएं टाइट पैन्टी न पहनें। कमर बेल्ट टाइट न बांधें। टाइट बेल्ट खून की वापसी में रुकावट डालती है।
2. ऊंची एड़ी के जूते व सैंडल का इस्तेमाल न करें। नीची एड़ी वाले जूते टांगों की मांसपेशियों को हमेशा क्रियाशील रखते हैं। यह स्थिति वेन्स व टांगों के ड्रेनेज सिस्टम के लिए लाभदायक है।
3. जॉगिंग, एरोबिक्स या ऐसा कोई उछल-कूद वाला व्यायाम न करें, जिसमें पैर के घुटनों पर बार-बार झटके लगें। इस तरह के व्यायाम वेन्स को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। बगैर झटके वाले, पैर उठाने वाले और टांगें मोड़ने वाले व्यायाम वेन्स के लिये लाभप्रद हैं।
4. ऐसी शारीरिक मुद्रा(पोस्चर्स) से बचें, जिसमें लंबे समय तक बैठना या खड़े रहना पड़ता हो। ऑफिस में या घर पर एक घंटे से ज्यादा वक्त तक न तो पैर लटकाकर बैठे रहें और न ही लगातार खड़े रहें। इस तरह की स्थितियों में एक घंटा पूरा हो जाने पर पांच मिनट का अंतराल लें। इस अंतराल के दौरान दोनों पैरों को अपने सामने किसी स्टूल के सहारे ऊंचा रखें।
5. खाने में तेल व घी का प्रयोग बहुत कम मात्रा में करें। कम कैलोरी वाले और रेशेदार खाद्य पदार्थ वेन्स के लिए लाभप्रद हैं।
6. अपने वजन पर नियंत्रण रखें। वजन कम करने से वेन्स पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो जाता है।
7. रात में सोते समय पैरों के नीचे एक या दो तकिये लगाएं जिससे पैर छाती से दस या बारह इंच ऊपर रहें। ऐसा करने से पैरों में ऑक्सीजनरहित खून के इकट्ठा होने की प्रक्रिया शिथिल पड़ जाती है जो सी.वी.आई. रोग से ग्रस्त पैरों के लिये अत्यन्त लाभकारी है।
8. दिन के समय विशेष तकनीक से निर्मित दबाव वाली जुराबें टांगों में पहनें। इस संदर्भ में विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें। सुबह बिस्तर से उठते ही इन विशेष जुराबों को अपनी टांगों पर चढ़ा लें और दिन भर पहने रखें। ये जुराबें पैरों में खून का प्रवाह बढ़ाती हैं और गुरुत्वाकर्षण से नीचे की तरफ होने वाले खून के दबाव को कम करती हैं। इस वजह से सी.वी.आई. रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

बैलून काइफोप्लॉस्टी स्पाइन फ्रैक्चर का सटीक इलाज

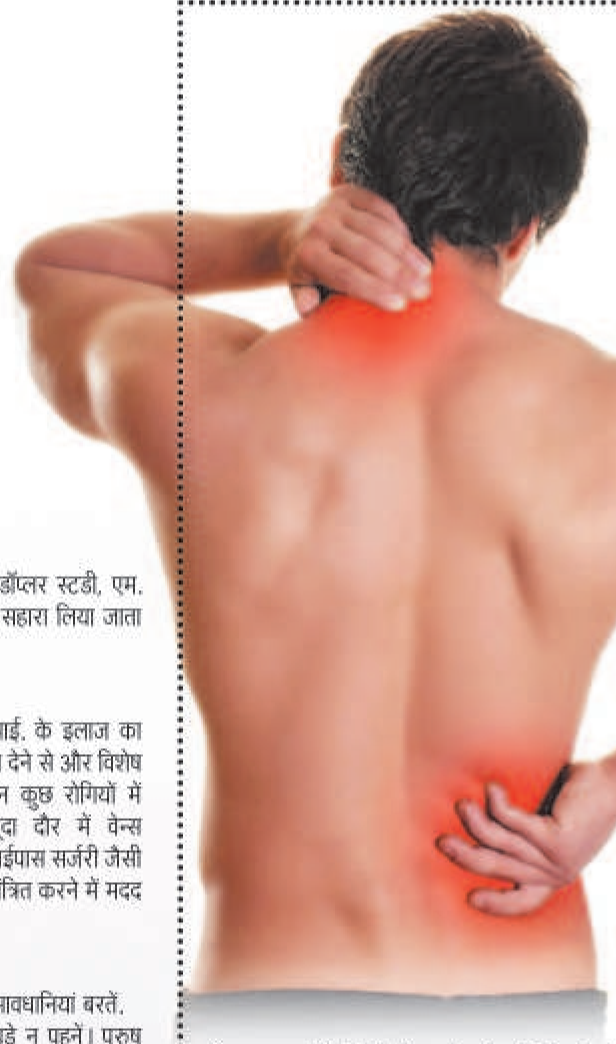

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के फ्रैक्चर के इलाज में बैलून काइफोप्लॉस्टी बेहतरीन तकनीक के रूप में सामने आ चुकी है। बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फ्रैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फ्रैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या है यह तकनीक?

बैलून काइफोप्लॉस्टी तकरीबन एक घंटे की प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत रीढ़ की टूटी हड्डी में सुधार किया जाता है। इसमें बैलून की मदद से टूटी हड्डी को उठाकर सही स्थिति में रखते हैं। फ्रैक्चर ग्रस्त हड्डी को ठीक रखने के लिए बोन सीमेंट लगाया जाता है। इसके बाद रोगी को एक दिन तक देखभाल के लिए रखा जाता है, लेकिन रोगी की मेडिकल जरूरत के हिसाब से इसे बदला भी जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद रोगी को एक घंटे के लिये निगरानी कक्ष में रखने के बाद रिकवरी रूम में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसके अच्छे परिणामों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 90 प्रतिशत रोगियों को 24 घंटे में ही दर्द से आराम मिल जाता है। बैलून काइफोप्लास्टी की प्रक्रिया शुरू करने से पहले रोगी की कई मेडिकल जांचें जैसे एक्स रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और डेक्सा स्कैन आदि करायी जाती हैं।

पारंपरिक सर्जरी और बैलून काइफोप्लास्टी

पारंपरिक सर्जरी में ज्यादा चीर-फाड़ की जाती है। इस स्थिति में रोगी की रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यूज और मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है। वहींबैलून काइफोप्लास्टी में बहुत कम चीर-फाड़ की जाती है, जिससे रोगी के रक्त का ज्यादा नुकसान नहीं होता। इसमें रोगी के रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यू और मांसपेशियों को भी ज्यादा क्षति नहींपहुंचती।

बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फ्रैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फ्रैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या हैं फायदे

बैलून काइफोप्लास्टी के कुछ फायदे इस प्रकार हैं..

- रोगी की जल्दी रिकवरी होती है। 24 घंटे के अंदर चलने-फिरने में समर्थ हो जाता है।
- रक्त का कम नुकसान होता है।
- संक्रमण होने का खतरा कम रहता है।
- शरीर पर निशान नाममात्र के पड़ते हैं।
- रीढ़ की हड्डी के टिश्यूज और मांसपेशियों का नुकसान कम होता है।
- ऑपरेशन के बाद रोगी को दर्द कम होता है।
- जल्द ही व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी के काम करने में सक्षम हो जाता है।

स्वास्थ्य रक्षा के अनमोल सूत्र

जो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दृष्टि से स्वस्थ होता है, वही पूर्ण स्वस्थ कहलाता है। स्वास्थ्य को सबसे पहला सुख माना गया है।

- उदय होता हुआ सूर्य हृदय रोगियों के लिए अमृत तुल्य होता है। उदय होते सूर्य की हल्की लाल किरणों में जीवनी-शक्ति हुआ करती है जिसमें अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है। पीलिया (जॉन्डिस), रक्ताल्पता, सिर के सभी रोग तथा अंगों के दर्द को दूर करने की इसमें अद्भुत क्षमता होती है।
- प्रातः कालीन शुद्ध वायु प्राणशक्ति को प्रदान कर दीर्घायु प्रदान करती है। शुद्ध वायु में टहलना, प्राणायाम करना, मंदाग्नि एवं कब्ज से छुटकारा दिलाता है। शुद्ध वायु हृदय रोगियों के लिए अनमोल औषधि है क्योंकि वह हृदय को शक्ति प्रदान कर शरीर के दोषों को निकालती है, अतः प्रातः काल टहलना आवश्यक है।
- प्रातः काल शौच से पूर्व कम से कम दो गिलास स्वच्छ जल पीना स्वास्थ्य के लिए अमृत तुल्य होता है क्योंकि इससे कब्ज की शिकायत दूर होती है। कब्ज को हर बीमारी की जड़ माना जाता है।
- नत्य हल्का-फुल्का व्यायाम करके सम्पूर्ण दिन फुर्ती का अनुभव किया जा सकता है। स्वास्थ्य एवं बल के अनुसार योगासन अवश्य ही करते रहना चाहिए। हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप, दमा आदि के रोगियों को व्यायाम नहीं करना चाहिए।
- कम खाने वालों की अपेक्षा अधिक खाने वालों की संसार में अधिक मृत्यु होती है। खाने के लिए जीने से बेहतर होता है जीने के लिए खाना। आदत डालकर प्रतिदिन भोजन समय पर ही करना चाहिए। प्रोटीन, विटामिन, वसा, खनिज लवण युक्त संतुलित पदार्थों को ही खाएं। तनाव रहित होकर स्थिर मन से भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। तन्मय होकर प्रसन्न मुद्रा में स्वाद के साथ भोजन करने से आंतरिक संतुष्टि तो होती ही है साथ ही पाचन संबंधी बीमारियां भी दूर होती हैं।
- स्वस्थ जीवन के लिए विधिवत नींद का आना भी बहुत जरूरी है। विधिवत निद्रा के सेवन से संतोष, सुख, ज्ञान तथा जीवनी-शक्ति प्राप्त होती है। इसके विपरीत अनिद्रा अनेक विकारों तथा रोगों को जन्म देती है। नियत समय के विपरीत सोने से भी आयु क्षीण होती है, साथ ही स्मरण शक्ति, निर्णय शक्ति जैसी उपयोगिताओं का भी ह्रास होता है।

तमन्ना भाटिया

के ब्वॉयफ्रेंड Vijay Varma ने 2023 में क्लिक की ऐसी फोटो, नहीं देखा होगा एक्ट्रेस का ये अंदाज

बी टाउन के फेमस कपल के बारे में चर्चा की जाए तो उसमें तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का नाम जरूर शामिल होगा। लंबे वक्त से एक दूसरे को डेट कर रहे है तमन्ना और विजय का नाम आए दिन किसी न किसी वजह को लेकर चर्चा का विषय बनता रहता है।हाल ही में तमन्ना भाटिया ने सोशल मीडिया पर इस साल की कुछ अनसीन फोटो को शेयर किया है। इन फोटो पर फोटोग्राफर के बारे में जानने को लेकर विजय वर्मा ने कमेंट किया है।

कमाल हैं तमन्ना भाटिया की ये फोटो

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी शानदार अदाकारी का जलवा बिखेरने वालीं तमन्ना भाटिया किसी अलग पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपने कमाल की अदाकारी और ब्यूटी के लिए तमन्ना काफी फेमस हैं। गुरुवार को तमन्ना भाटिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरों को शेयर किया।

इन फोटो के कैप्शन में तमन्ना ने इस बात का जानकारी दी कि उनकी अनसीन फोटो साल 2023 के दौरान की हैं। एक्ट्रेस की इन फोटो पर अब उनके ब्वॉयउफ्रेंड और एक्टर विजय वर्मा कमेंट कर फोटोग्राफ कौन है के बारे में पूछा है। विजय के इस कमेंट कई यूजर्स ने इस रिप्लाई देते हुए उनका ही नाम लिया है।इसमें कोई शक नहीं है कि तमन्ना भाटिया की ये तस्वीरें विजय वर्मा ने ही क्लिक की हैं।

अदाकारा की इन फोटो में आपको विजय की मौजूदगी का एहसास आसानी से हो जाएगा।

ऐसे में ये साफ कहा जा सकता है कि विजय वर्मा ने गर्लफ्रेंड तमन्ना भाटिया की ऐसी तस्वीरें क्लिक की हैं, जिन्हें आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। आलम ये है कि एक्ट्रेस की ये फोटो अब चर्चा का विषय बन गई हैं।

तमन्ना और विजय के रिश्ते को होगा एक साल

बीते साल 2023 के न्यू ईयर के मौके पर तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। इस वीडियो में ये दोनों लिप लॉक किस करते हुए नजर आए थे।इस वीडियो के सामने आने के बाद ही इस कपल के रिश्ते की खबरें तेज हो गई हैं। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि आने वाले न्यू ईयर पर तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के रिलेशनशिप को एक साल पूरा हो जाएगा।

Aamir Khan की बेटी इरा खान की नुपुर शिखरे संग महाराष्ट्रीयन रस्मों से होगी शादी, जानिए- कपल के प्री वेडिंग फंक्शन से लेकर रिसेप्शन तक हर डिटेल

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट यानी आमिर खान के घर इन दिनों खूब खुशियों का माहौल है. दरअसल एक्टर की बेटी इरा खान अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे संग शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं. इस कपल के प्री वेडिंग फंक्शन शुरू हो चुके हैं. चलिए यहां जानते हैं आमिर खान की बेटी इरा खान और नुपुख शिखरे की शादी से जुड़ी हर डिटेल.

आमिर खान की बेटी इरा की बॉयफ्रेंड नुपुर संग शादी की तैयारियां शुरू

आमिर खान की बेटी इरा खान और नुपुर शिखरे की सगाई पिछले साल सितंबर में इटली में हुई थी. इसके दो महीने बाद कपल ने इंटीमेट इंगेजमेंट पार्टी होस्ट की थी. इस पार्टी में आमिर की दोनों एक्स वाइफ रीना दत्ता और किरण राव, एक्ट्रेस फातिमा सना शेख सहित उनका पूरा परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे. इरा और नुपुर की सगाई की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी. वहीं अब वो दिन नजदीक आ रहा है जब आमिर की बेटी डोली में बैठकर विदा हो जाएंगी. बता दें कि इरा और नुपुर 3 जनवरी को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं.

कब है इरा और नुपुर की शादी और रिस्पेशन

वहीं न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र से आमिर खान की बेटी की शादी के फंक्शन से जुड़ी डिटेल्स मिली है. रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने बताया, खान परिवार बहुत खुश है क्योंकि वे नए साल की शुरुआत धमाकेदार तरीके से करने जा रहे हैं. इरा और नुपुर की शादी 3 जनवरी को बांद्रा के आलीशान ताज लैंड्स एंड होटल में होगी. इसके बाद, 6 से 10 जनवरी के बीच दो रिसेप्शन पार्टियां होंगी – एक दिल्ली में और दूसरी जयपुर मे.

आमिर खान अपने बी टाउन के फ्रेंड्स को पर्सनली कर रहे हैं इनवाइट

रिपोर्ट के मुताबिक ये भी पता चला है कि आमिर अपनी बेटी की शादी के लिए काफी एक्साइटेड हैं और शादी में शामिल होने और कपल को आशीर्वाद देने के लिए एक्टर पर्सनली बी-टाउन में अपने दोस्तों और साथियों को फोन कर रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर स्टार्स वेकेशन के लिए बाहर गए हुए हैं लेकिन निश्चिंत रहें कि यह स्टार स्टडेड होगा. जो लोग अपने बिग डे में शामिल नहीं हो पाएंगे, वे जयपुर में रिसेप्शन का हिस्सा बनेंगे.बता दें कि इरा खान और नुपुर की शादी महाराष्ट्रीयन रीति रिवाजों से होगी.

अर्जुन कपूर ने बहन अंशुला कपूर को क्यूट वीडियो शेयर कर विश किया बर्थडे, दिल जीत लेगी भाई-बहन की प्यारी बॉन्डिंग

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर (Arjun Kapoor) की बहन अंशुला कपूर (Anshula Kapoor) आज 33 साल हो चुकी हैं. बीती रात अपनी बहन का बर्थडे मनाने के लिए जहां जाह्नवी और खुशी कपूर अर्जुन के घर पहुंची थी. वहीं अब अर्जुन ने भी अंशुला को सोशल मीडिया के जरिए बर्थडे विश किया है. इसके लिए एक्टर ने एक बहुत क्यूट वीडियो शेयर किया है. इसके साथ एक्टर ने अपनी बहन के लिए एक प्यारा सा नोट भी लिखा है.

अर्जुन ने बहन के लिए शेयर किया वीडियो

अर्जुन कपूर ने बहन अंशुला कपूर का एक क्यूट वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया. जो क्रिसमस सेलिब्रेशन का है. इसे शेयर करते हुए अर्जुन ने लिखा, ' अपराध में मेरे साथी को जन्मदिन की शुभकामनाएं..जीवन में आपके रहते कोई भी मिशन असंभव नहीं लगता..' वीडियो में अर्जुन और अंशुला कभी गेम खेलते, तो कभी अपना फूड एंजॉय

करते हुए दिखाई दे रहे हैं. भाई-बहन की ये मस्ती अब फैंस का खूब दिल जीत रही है.

बोनी की पहली पत्नी की बेटी हैं अंशुला

बता दें कि अंशुला कपूर बोनी कपूर की बड़ी बेटी हैं. जो उनकी पत्नी पहली पत्नी मोना शौरी कपूर से है. अर्जुन भी मोना और बोनी के ही बेटे हैं. अब मोना इस दुनिया में नही है. उनका निधन साल 2012 में हुआ था. अंशुला भले ही अपने भाई की तरह फिल्मों में नजर ना आती हो, लेकिन अपने दम पर वो एक लग्जरी लाइफ की मालकिन हैं.

जाह्नवी और खुशी पहुंची थीं अर्जुन के घर

वहीं बीता रात अंशुला को बर्थडे विश करने के लिए जाह्नवी और खुशी कपूर अपने पिता बोनी कपूर के साथ सौतेले भाई अर्जुन के घर पहुंची थी. इस दौरान दोनों एकदम सिंपल लुक में नजर आई.

Arbaaz Khan की EX गर्लफ्रेंड

जॉर्जिया एंड्रियानी

को फ्यूचर हसबैंड की तलाश? बोलीं- इंडस्ट्री से न हो कोई वास्ता

बॉलीवुड फिल्म निर्माता एक्टर अरबाज खान का नाम इन दिनों अपनी दूसरी शादी को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। हाल ही में अरबाज ने अपनी गर्लफ्रेंड शूरा खान के साथ निकाह किया है। ऐसे में अब अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी का एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।इस वीडियो में जॉर्जिया अपने फ्यूचर हसबैंड को लेकर खुलकर बात करती हुई नजर आ रही हैं। आइए जानते है कि जॉर्जिया एंड्रियानी ने अपने पार्टनर की किन खूबियों का जिक्र किया है।

फ्यूचर हसबैंड में ये खूबियां तलाश रही हैं जॉर्जिया एंड्रियानी

अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड के रूप में जॉर्जिया एंड्रियानी को काफी लाइमलाइट मिली। मूल रूप से इटली की रहने वालीं जॉर्जिया लंबे समय से मुंबई में रह रही हैं और उनकी पहचान किसी बी टाउन एक्ट्रेस से कम नहीं हैं। ऐसे में अब अरबाज खान की शादी के बाद जॉर्जिया एंड्रियानी का एक लेटेस्ट वीडियो इंटरनेट पर जमकर छा रहा है। इस वीडियो को फिल्मीज्ञान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है।इस वीडियो में जॉर्जिया से उनके फ्यूचर पार्टनर को लेकर सवाल पूछा जा रहा है। जिस पर उन्होंने खुलकर जवाब दिया है। जॉर्जिया एंड्रियानी ने कहा है- सबसे पहली और बड़ी बात उसका फिल्म इंडस्ट्री से कोई नाता नहीं होना चाहिए। वह सिंपल शख्स होना चाहिए, ग्लैमर्स की दुनिया से उसे कुछ लेना देना न हो। दूसरी बात वह मुझे प्यार करे और ख्याल रखे। बस यही कुछ खूबियां हैं, जो मैं अपने फ्यूचर पार्टनर में तलाशती हूं।इस तरह से जॉर्जिया एंड्रियानी ने भविष्य में होने वाले हसबैंड को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की हैं। मालूम हो कि अरबाज खान से ब्रेकअप के बाद से जॉर्जिया एंड्रियानी मौजूदा समय में सिंगल हैं।

लंबे समय तक एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में रहे जॉर्जिया और अरबाज

अपनी पहली पत्नी मलाइका अरोड़ा से तलाक के बाद अरबाज खान की जिंदगी में जॉर्जिया एंड्रियानी की एंट्री हुई। काफी लंबे वक्त तक इन दोनों ने एक दूसरे को डेट किया। हालांकि कुछ महीने पहले ही अरबाज और जॉर्जिया का ब्रेकअप हुआ और इन दोनों की राहें हमेशा के लिए जुदा हो गई। ऐसे में अब अरबाज खान ने शूरा खान का हाथ थामा और 24 दिसंबर को दूसरी शादी रचा ली है।

आक्रामकता, पुरुषों की ताकत औरतों की कमजोरी!

वॉशिंगटन। यदि आप जिरह के दौरान आक्रामक रुख अखितयार करने की आदत रखते हैं और पुरु ष हैं तो यह आपको प्रभावशाली बनाता है लेकिन औरतों के मामले में इसका नकारात्मक असर होता है। मानवीय व्यवहारों से संबंधित पत्रिका ''जर्नल लॉ एंड ह्यूमन बिहेवियर' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार अपने तर्क को आक्रामक तरीके से रखने वाले पुरु ष सामने वालों को प्रभावित करते हैं जबकि औरतें आक्रामक होने के बाद अपेक्षाकृत कम प्रभावी हो जाती हैं। इस अध्ययन की सहायक लेखिका जेसिका सालेर्नो ने कहा कि आक्रामक होकर सामने वालों को प्रभावित करने की क्षमता संभवत- औरतों में नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन में हर उस औरत के लिए गहरे निहितार्थ हैं जो कामकाज में या निजी जिंदगी के अपने फैसलों में प्रभाव लाना चाहती हैं। सालेर्नो ने कहा कि यदि कोई महिला राजनेता बहस के दौरान आक्रामक तरीके से अपना पक्ष रखती है तो वह लोगों को कम प्रभावित कर पाती है वहीं, इसकी संभावना है कि बिना आक्रामकता के अपना पक्ष रखने पर वह अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित साबित हो इस अध्ययन में स्नातक के 210 विद्यार्थियों को शामिल किया गया था और उन्हें एक आदमी द्वारा अपनी पत्नी की हत्या करने के प्रयास से संबंधित एक सच्ची घटना से जुड़ी 17 मिनट की फिल्म दिखाई गई। अध्ययन के प्रतिभागियों को इस केस के सारे वक्तव्य एवं गवाहों के बयान पढ़ाए गए तथा उन्हें घटनास्थल एवं इस्तेमाल किए गए हथियार की तस्वीर दिखाई गई। सभी प्रतिभागियों ने एक समान तकरे को ध्यान से पढ़ा लेकिन कुछ लोगों ने आक्रामक तरीके से अपनी बात रखी जबकि कुछ ने भय के साथ तथा बाकियों ने भावुक होकर सामान्य तरीके से अपना पक्ष रखा। अध्ययन करने वाले शोधार्थियों ने पाया कि आदमियों द्वारा आक्रामकता दिखाने के बाद प्रतिभागियों का अपने मत के प्रति भरोसा कम हुआ जबकि औरतों द्वारा ठीक पुरु षों जैसी भाव-भंगिमा एवं वैसी ही आक्रामकता के साथ एकसमान पक्ष रखने के बावजूद प्रतिभागियों का अपने मत के प्रति भरोसा पुख्ता हुआ।

अत्यधिक नमक लिवर खराब करता है

पेइचिंग। भोजन में अत्यधिक नमक प्रयोग करने से केवल रक्तचाप बढ़ने की ही समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि इससे वयस्कों और विकसित भ्रूण का यकृत भी खराब हो सकता है।

- यदि आप एक स्वस्थ वयस्क हैं तो आपको प्रति दिन सिर्फ एक छोटा चम्मच नमक लेने की जरूरत है
- कोशिकाओं से होने वाले नुकसान को विटामिन 'सी' के माध्यम से कम किया जा सकता है

एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि हमारे शरीर को बहुत कम मात्रा में नमक की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सरकार सलाह देती है कि यदि आप एक स्वस्थ व्यस्क हैं तो आपको प्रति दिन एक छोटा चम्मच नमक लेने की आवश्यकता है।

कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने संकेत दिया है कि सोडियम के आवश्यकता से अधिक प्रयोग से उच्च रक्तचाप की समस्या के अलावा यकृत भी खराब हो सकता है। चीन की ''जिनान यूनीवर्सिटी' के शुएसोंग यांग और उनके सहकर्मी सोडियम के कोशकीय स्तर पर संभावित प्रभाव के बारे में पता करना चाहते थे।अनुसंधानकर्ताओं ने एक वयस्क चूहे को अत्यधिक नमकयुक्त आहार दिया और चूहों के भ्रूणों को एक खारे पर्यावरण में रखा। अत्यधिक सोडियम से अजीब आकार की कोशिकाएं विकसित होने, कोशिका समाप्ति में वृद्धि और कोशिका प्रसार में कमी समेत जीवों के यकृत में कई तरह के बदलाव हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि खराब कोशिकाओं का विटामिन ''सी' के माध्यम से उपचार करके अत्यधिक नमक के कारण हुए दुष्प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है। यह अध्ययन ''जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' में प्रकाशित किया गया है।

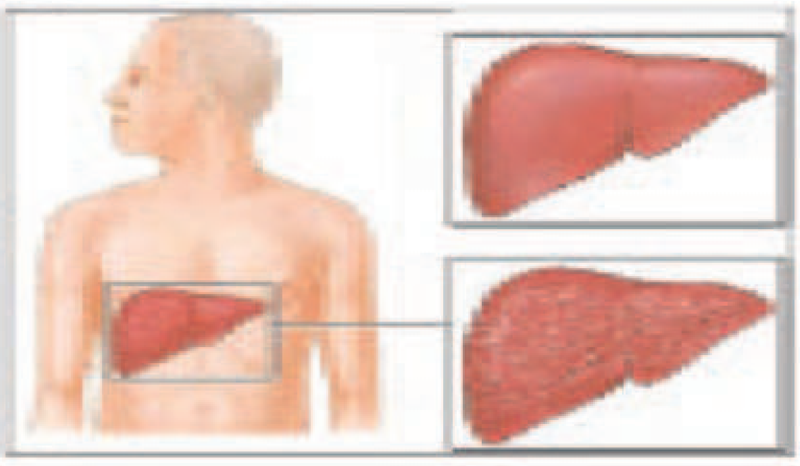

आपके धूम्रपान से बांझ हो सकती है पत्नी!

- एक्टिव और पैसिव दोनों प्रकार के धूम्रपान से महिलाओं में बांझपन और समय से पहले रजोनिवृति का खतरा बढ़ जाता है
- जो महिलाएं धूम्रपान नहीं करती हैं उन्हें भी इस मुसीबत का पैसिव स्मोकिंग के जरिए सामना करना पड़ सकता है

नई दिल्ली। किसी का धूम्रपान दूसरों को ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। आप के द्वारा छोड़ा गया धुंआ आपको तो बीमार कर ही रहा है साथ ही आपके आसपास के लोगों को भी बीमार व कैंसर जैसी भयानक बीमारी दे रहा है। एक नए शोध के मुताबिक, धूम्रपान की लत से महिलाओं में बांझपन का खतरा बढ़ सकता है। धूम्रपान की बढ़ती लत और तंबाकू सेवन करने वाली महिलाएं बांझपन और रजोनिवृति का शिकार हो सकती है। एक नए शोध के मुताबिक, यह चेतावनी दी गई है कि एक्टिव और पैसिव दोनों प्रकार के धूम्रपान से महिलाओं में बांझपन और समय से पहले रजोनिवृति का खतरा बढ़ जाता है। शोध के मुताबिक, धूम्रपान के जरिए तंबाकू के शरीर में अंदर जाने से मीनपॉज यानी रजोनिवृति एक या दो साल पहले हो सकता है। जो महिलाएं धूम्रपान नहीं करती हैं उन्हें भी इस मुसीबत का पैसिव स्मोकिंग के जरिए सामना करना पड़ सकता है। न्यूयॉर्क के ''रोजवेल पार्क कैंसर इंसीट्यूट' में किए गए शोध के मुताबिक, इस सर्वे के तहत यह बात साफ हो जाती है कि धूम्रपान एक्टिव हो या पैसिव दोनों प्रकार से महिलाओं में बांझपन और रजोनिवृति के लिए खतरा बन सकता है। शोध में यह कहा गया है कि धूम्रपान के जरिए शरीर में जा रहे तंबाकू महिलाओं के प्रजनन तंत्र पर विपरीत प्रभाव डालने के साथ उनके हार्मोनल संतुलन को भी खराब कर देता है। ''वर्ल्ड हेल्थ इनिशिएटिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी' के तहत इस शोध में 93,000 महिलाओं को शामिल किया गया। प्रजनन तंत्र पर विपरीत असर पड़ने से गर्भवती होने में महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जबकि हार्मोनल संतुलन बिगड़ने से समय पूर्व रजोनिवृति का सामना करना पड़ सकता है, साथ ही कैंसर का एक बड़ा खतरा भी सताता रहता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रुकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

लॉफिंग जोन

एक घबराया हुआ-सा नाटा आदमी छोटे शहर के एक सब्जी फरोश के पास गया और बोला- 'मुझे आप अपनी सारी सडी-गली सब्जियां तथा बासी अण्डे दे दीजिए।'

दुकानदार की आंखों में चमक आ गई। बोला-'शायद आज आप थियेटर में नए जोकर का तमाशा देखने जा रहे हैं?'

खरीददार बोला-'इतना ऊंचे मत बोलो! दरअसल नया जोकर मैं ही हूं।'

▯ ▯ ▯

पति द्वारा पत्नी को चांटा मारने पर पत्नी अपने पिता के पास शिकायत लेकर पहुंची।

पिता ने पूछा-'तुम्हारे पति ने चांटा कहां मारा?'

दायीं ओर। बेटी ने कहा। पिता ने उसके बायें गाल पर तड से तमाचा जडते हुए कहा-'जाओ, अपने पति से कहना कि उसने मेरी बेटी को मारा मैंने उसकी पत्नी को मारकर बदला ले लिया।'

▯ ▯ ▯

दो बच्चो जंगल में पौटी कर रहे थे, अचानक शेर आ गया।

पहला- छोटू तू डर रहा है।

दूसरा - नहीं मैं नही डरता।

पहला - तो साले अपनी धो मेरी क्यों धो रहा है।

काकुरो पहेली - 4068

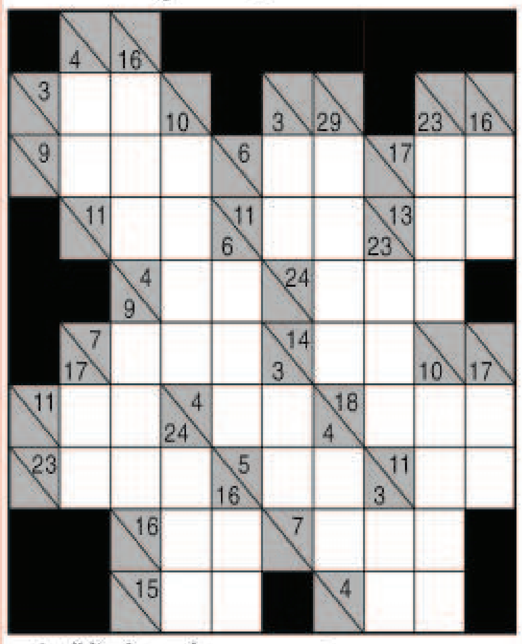

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

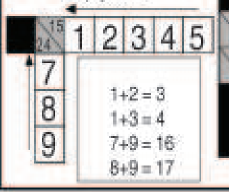

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -4067 का हल

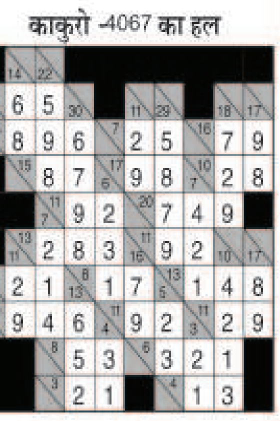

फिल्म वर्ग पहेली- 4068

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथियावाड़ पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4067

सूडोकु -4068

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4067 हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 4068

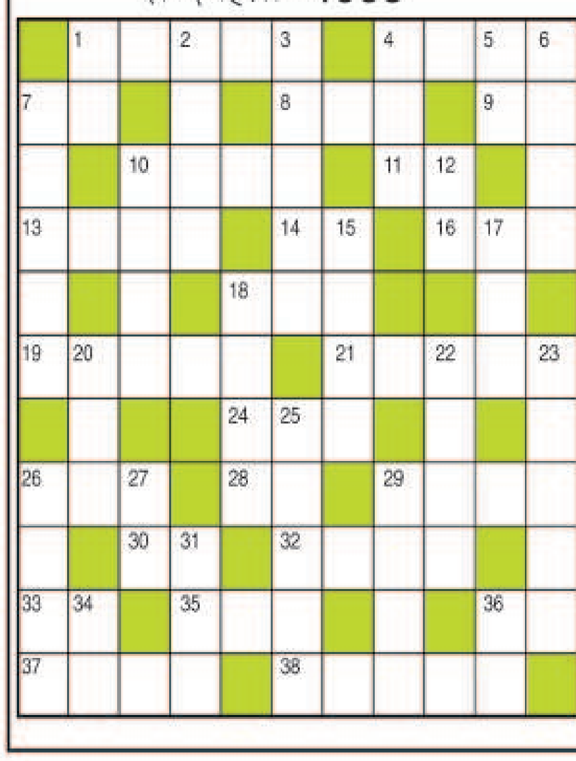

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.कसब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली 4067 का हल

दिल्ली में केसीपी नेता की गिरफ्तारी के बाद मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार बरामद

Manipur (एजें) २९ मई : : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के एक वरिष्ठ कमांडर को दिल्ली में संयुक्त अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार इस अभियान में दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा, मणिपुर पुलिस तथा केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां शामिल थीं।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान हाओबिजाम दिलीप सिंह के रूप में हुई है। उस पर प्रतिबंधित मणिपुरी संगठन से जुडी कई गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है तथा वह गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के अंतर्गत दर्ज बारह से अधिक मामलों में वांछित था।

पूछताछ के बाद सुरक्षा बलों ने मणिपुर के काकचिंग जिले में तलाशी अभियान चलाया, जहां से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद तथा विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।अधिकारियों ने बताया कि जब्त हथियारों में एक एके-छप्पन राइफल, एक अमोघ राइफल, एक एआई राइफल तथा दूरबीन युक्त एक एम-चार राइफल शामिल हैं।छापेमारी के दौरान इंसास, एके श्रृंखला, स्वचालित राइफल, एम-चार तथा हल्की मशीनगन से संबंधित खाली मैगजीन भी बरामद की गई।सुरक्षा बलों ने मौके से इक्यावन उच्च-विस्फोटक बम, दो पैरा बम, ग्यारह डेटोनेटर तथा चार लेथोड गोले भी बरामद किए।

इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के लगभग दो हजार जीवित कारतूस भी जब्त किए गए, जिनमें इंसास, एके, अमोघ, तीन सौ तीन तथा स्वचालित राइफल के कारतूस शामिल हैं।हथियारों और विस्फोटकों के अलावा बरामद वस्तुओं में तिरपाल, रंगीन थैले, प्लास्टिक की बोरियां तथा एयरटेल और जियो सिम कार्ड वाला एक रेडमी तेरह सी मोबाइल दूरभाष भी शामिल है।जांच एजेंसियों को संदेह है कि इन हथियारों और विस्फोटकों का उपयोग मणिपुर तथा अन्य स्थानों पर बडे. हिंसक अभियानों के लिए किया जा सकता था।सूत्रों के अनुसार हाओबिजाम कथित रूप से एक गुप्त बैठक के लिए दिल्ली गया था, जिससे एजेंसियों के बीच यह आशंका बढ. गई है कि उग्रवादी नेटवर्क पूर्वोत्तर से बाहर भी अपनी गतिविधियों का विस्तार करने का प्रयास कर रहा था।अधिकारियों ने बताया कि एजेंसियां वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी में उसके संपर्कों, गतिविधियों और आवाजाही की जांच कर रही हैं। गिरफ्तारी तथा संभावित व्यापक साजिश से जुडे.अन्य पहलुओं की जांच अभी जारी है।

सीयूईटी यूजी २०२६ परीक्षा की नई तारीखें घोषित, उम्मीदवार ऐसे डाउनलोड करें एडमिट कार्ड

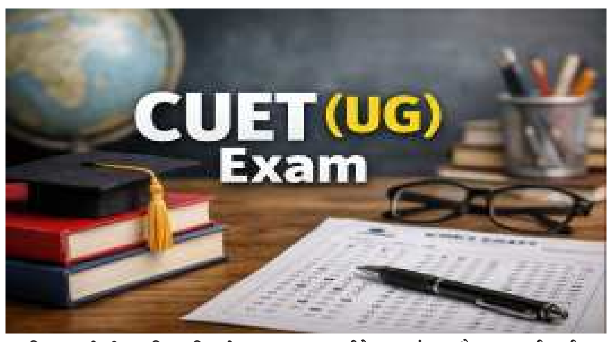

नई दिल्ली. (एजें) २९ मई : कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट यानी सीयूईटी यूजी २०२६ परीक्षा को लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है. २८ मई २०२६ को स्थगित की गई परीक्षाओं के लिए अब नई तारीखों की घोषणा कर दी गई है. संशोधित शेड्यूल के अनुसार सीयूईटी यूजी २०२६ की परीक्षाएं अब ३१ मई, ६ जून और ७ जून २०२६ को आयोजित की जाएंगी. उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट cuet.nta.nic.in पर जाकर नया परीक्षा कार्यक्रम देख और डाउनलोड कर सकते हैं.

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जारी सूचना के मुताबिक जिन उम्मीदवारों की परीक्षा २८ मई को होनी थी, उन्हें नई परीक्षा तिथि के अनुसार परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना होगा. एजेंसी ने छात्रों को सलाह दी है कि वे नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट चेक करते रहें ताकि किसी भी नए अपडेट की जानकारी समय पर मिल सके. इसके साथ ही उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड भी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं. छात्र अपने एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड की मदद से लॉगिन कर हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं. परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड अनिवार्य होगा. बिना एडमिट कार्ड के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा.सीयूईटी यूजी २०२६ हॉल टिकट डाउनलोड करने के लिए उम्मीदवारों को सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा. वहां होम पेज पर दिए गए ङ्कउणएढ णत्रक्तश्रश्र ढळलझशीं २०२६ङ्क लिंक पर क्लिक करना होगा. इसके बाद एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड दर्ज कर लॉगिन करना होगा. लॉगिन के बाद एडमिट कार्ड स्क्रीन पर दिखाई देगा, जिसे डाउनलोड कर उसका प्रिंट आउट निकालना होगा.

आधिकारिक वेबसाइट cuet.nta.nic.in पर जाएं
CUET UG Admit Card 2026 लिंक पर क्लिक करें
लॉगिन के लिए एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड डालें
CUET UG एडमिट कार्ड PDF स्क्रीन पर दिखेगा
उसे डाउनलोड करके सेव करें और प्रिंट आउट निकाल लें

CUET UG Admit Card 2026 में उम्मीदवार का नाम, रोल नंबर, जन्मतिथि, परीक्षा की तारीख, शिफ्ट टाइमिंग, परीक्षा केंद्र का पता और अन्य जरूरी जानकारी शामिल होगी.

उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र पर अपना एडमिट कार्ड जरूरी लाना होगा; इसके बिना उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी. CUET UG 2026 एडमिट कार्ड के साथ उम्मीदवारों को एक सरकारी फोटो पहचान पत्र भी साथ लाना होगा, जैसे झअछ कार्ड या वोटर आईडी, ताकि पहचान की पुष्टि की जा सके.परीक्षा केंद्र पर कोई भी प्रतिबंधित वस्तु न लाएं. सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस - स्मार्टफोन, ब्लूटूथ डिवाइस, इयरफोन, पेजर - परीक्षा केंद्र पर प्रतिबंधित हैं. परीक्षा केंद्र पर इन बैन चीजों को रखने की कोई सुविधा नहीं दी जाएगी. अगर कोई ऐसी वस्तु साथ लाई जाती है, तो उसे बाहर ही अपनी जिम्मेदारी पर रखना होगा.

मनसुख मांडविया मेघालय में राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों की समीक्षा करेंगे

मेघालय (एजें) २९ मई : : केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया अगले वर्ष मार्च में आयोजित होने वाले उनतालीसवें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों का आकलन करने तथा राज्य में चल रही खेल अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा के लिए शुक्रवार से तीन दिवसीय मेघालय दौरे पर जाएंगे। इस दौरे का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय खेलों को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक होगी, जिसमें मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकारी तथा भारतीय ओलंपिक संघ के प्रतिनिधि आयोजन की तैयारियों पर चर्चा करेंगे।कार्यक्रम के दौरान मेघालय सरकार राष्ट्रीय खेलों के लिए मेजबान राज्य अनुबंध पर भी वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में औपचारिक हस्ताक्षर करेगी।मनसुख मांडविया शनिवार को मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा के साथ शिलांग में एकीकृत बहुउद्देश्यीय आंतरिक क्रीडा परिसर का उद्घाटन करेंगे।लगभग एक सौ बत्तीस दशमलव नौ करोड.रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक परिसर को टोकरी क्रीडा, पंख क्रीडा और जाल क्रीडा सहित अनेक आंतरिक खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए तैयार किया गया है।इस परिसर में बहुउद्देश्यीय सभागार, प्रेक्षागृह तथा भोज सुविधाएं भी होंगी और इसे राष्ट्रीय खेलों के प्रमुख स्थलों में से एक माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल सुविधाओं को सुदृढ.करने की केंद्र सरकार की पहल के अंतर्गत उमसावली क्रीडा परिसर तथा वहां की तैराकी और प्रक्षेप क्रीडा अवसंरचना का भी निरीक्षण करेंगे।खेल संबंधी कार्यक्रमों के अतिरिक्त मनसुख मांडविया युवा कार्य विभाग द्वारा आयोजित चिंतन शिविर में भाग लेंगे तथा इकतीस मई को पूर्वोत्तर संपर्क सेतु पहल के अंतर्गत री-भोई जिले में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे।मेघालय के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री शकलियार वारजरी तथा राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के भी विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थित रहने की संभावना है।

पियूषकांति दास की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और पारदर्शिता लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता : वक्ता

प्रे.सं. शिलचर, २९ मई : विशिष्ट पत्रकार एवं समाजचिंतक पियूषकांति दास की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर शिलचर प्रेस क्लब में एक श्रद्धांजलि सभा एवं विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ङ्कनिर्वाचित जनप्रतिनिधि : जवाबदेही और पारदर्शिताङ्क विषय पर आयोजित चर्चा में वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों का जनता के प्रति जवाबदेह होना अत्यंत आवश्यक है तथा उनके कथनी और करनी में समानता रहनी चाहिए।चर्चा में भाग लेते हुए कवि एवं पत्रकार अतिन दास ने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से ईमानदारी और निष्ठा के साथ दायित्व निभाने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन वर्तमान समय में अनेक क्षेत्रों में इसका विपरीत चित्र देखने को मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ जनप्रतिनिधियों की जीवनशैली रातोंरात बदल जाती है और वे गलत तरीकों से संपत्ति अर्जित करने में रुचि लेने लगते हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत से लेकर विधानसभा और संसद तक, हर स्तर के जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति जवाबदेह होना ही पडेग़ा।स्मृतिचारण सत्र में पियूषकांति दास के कर्ममय जीवन के विभिन्न पहलुओं को याद किया गया। इस अवसर पर बराक नागरिक संसद तथा 'केआरसी फाउंडेशन मीडिया वेलफेयर ग्रुप' की ओर से विशिष्ट पत्रकार विधानचंद्र नाथ को ङ्कपियूषकांति दास स्मारक पत्रकारिता पुरस्कारङ्क से सम्मानित किया गया। उन्हें उत्तरीय, पुष्पगुच्छ, प्रमाणपत्र, स्मृति चिह्न, नगद राशि एवं कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान ग्रहण करते हुए विधानचंद्र नाथ ने कहा कि यह पुरस्कार भविष्य में उनके पत्रकारिता जीवन को नई प्रेरणा प्रदान करेगा।अतिन दास ने आगे कहा कि छात्र जीवन से ही पियूषकांति दास पत्रकारिता से जुडे. हुए थे और समाज की विभिन्न समस्याओं के समाधान में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बराक घाटी के विभिन्न जनआंदोलनों तथा वंचित लोगों के अधिकारों की रक्षा में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।आसाम विश्वविद्यालय के प्राध्यापक पार्थकर चौधरी ने पर्यावरण आंदोलनों में पियूषकांति दास की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि बराक डैम विरोधी आंदोलन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई थी। पर्यावरण जागरूकता फैलाने में भी उनका योगदान अविस्मरणीय रहा।

राजनीतिक व्यक्तित्व एवं समाजसेवी शरीफ उज-जमान लस्कर ने कहा कि पियूषकांति दास अत्यंत निर्भीक पत्रकार थे और सिद्धांतों के प्रश्न पर उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। उनका असमय निधन मीडिया जगत और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है।कवि एवं पत्रकार स्मृति पाल नाथ ने कहा कि पियूषकांति दास की लेखनी बेहद धारदार और वस्तुनिष्ठ थी। उन्होंने समाज परिवर्तन के लक्ष्य को लेकर जीवनभर कार्य किया।पियूषकांति दास की पत्नी, शिक्षिका एवं लेखिका शांतश्री सोम ने भावुक वक्तव्य में कहा कि प्रबल आत्मविश्वास और अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने जीवन की अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना किया। अन्याय और अनियमितताओं के विरुद्ध आवाज उठाने के कारण उन्हें कई त्याग करने पडे, लेकिन उन्होंने कभी समझौता नहीं किया।

शिलचर प्रेस क्लब के महासचिव शंकर दे ने कहा कि पत्रकारिता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और नागरिक अधिकार आंदोलनों में भी पियूषकांति दास की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आम जनता को भी अधिक जागरूक होना होगा।कार्यक्रम में पत्रकार मेघनाथ कर एवं याहिया लस्कर जाकिर ने भी स्मृतिचारण किया। वहीं आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार शांतिकुमार भट्टाचार्य, अनामिका पाल, पापलू दास, स्मृति पाल नाथ सहित अन्य कलाकारों ने संगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया।

शिलचर फुटबॉल रेफरी वेलफेयर कमिटी ने मनाई स्थापना की आठवीं वर्षगांठ, खेल जगत की हस्तियों को किया सम्मानित

नीहार कांति राय, उधारबंद :२९ मई : शिलचर फुटबॉल रेफरी वेलफेयर कमिटी ने शुक्रवार को उधारबंद स्थित नबारुण संघ क्लब भवन में अपनी स्थापना की आठवीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर खेल जगत से जुडे.विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध क्रिकेट अंपायर ताज उद्दीन बडा भुइयां तथा पूर्व रेफरी एवं शिक्षाविद सूर्य कुमार शर्मा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। समारोह की शुरुआत कमिटी के अध्यक्ष निर्मल कुमार भट्टाचार्य, महासचिव शैलेंद्र दास, मुख्य संरक्षक चंदन शर्मा, रेफरी किशोर भट्टाचार्य, खेल पत्रकार ताज उद्दीन बडा भुइयां तथा नबारुण क्लब के अध्यक्ष निर्मल कुमार राय द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके बाद केक काटकर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया गया।उल्लेखनीय है कि कमिटी के अध्यक्ष निर्मल कुमार भट्टाचार्य ने राष्ट्रीय स्तर पर खेल संचालन की योग्यता प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढाया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सम्मानित अतिथि ताज उद्दीन बडा भुइयां, वरिष्ठ खेल पत्रकार एवं खिलाडी प्राणबानंद दास, क्लब अध्यक्ष निर्मल कुमार राय, पूर्व रेफरी सूर्य कुमार शर्मा, मुख्य संरक्षक चंदन शर्मा तथा धनेश्वर सिंह ने वर्तमान पीढी में खेलों के प्रति घटती रुचि पर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं का खेलों से दूर होना खेल संस्कृति और प्रतिभा विकास के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।समारोह में स्वागत भाषण महासचिव शैलेंद्र दास ने दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष निर्मल कुमार भट्टाचार्य ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रेफरी किशोर भट्टाचार्य ने किया।

फुटबॉल खेलते समय पानी में डूबने से दो छात्रों की दर्दनाक मौत, शोक में डूबा हाइलाकांदी का चिपसांगन क्षेत्र

प्रीतम दास हाइलाकांदी, २९ मई :असम के हाइलाकांदी जिले के पांचग्राम थाना अंतर्गत चिपसांगन गांव में फुटबॉल खेलते समय पानी में डूबने से दो स्कूली छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। गुरुवार शाम हुई इस दुखद घटना से स्थानीय निवासी परिजन और सहपाठी स्तब्ध हैं। मृत दोनों छात्रों की पहचान अनुपम सिन्हा (१६) और अभिनव सिन्हा (१३) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों अपने दोस्तों के साथ गांव के मैदान में फुटबॉल खेल रहे थे। खेल के दौरान गेंद पास के एक गहरे जलाशय में चली गई। गेंद निकालने के लिए सबसे पहले अनुपम सिन्हा पानी में उतरा, लेकिन जलाशय अधिक गहरा होने के कारण वह डूबने लगा। अपने मित्र को संकट में देखकर अभिनव सिन्हा उसे बचाने के लिए पानी में कूद पडा परंतु वह भी गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर काफी प्रयास के बाद दोनों किशोरों को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पांचग्राम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाइलाकांदी सिविल अस्पताल भेज दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। बाद में शोकाकुल परिवार और रिश्तेदारों की उपस्थिति में दोनों छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया। परिवार सूत्रों के अनुसार अनुपम सिन्हा पांचग्राम के कैम्ब्रिज स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता का नाम असीम सिन्हा है और उनका घर कछार जिले के पूर्व शिंगारी क्षेत्र में है। वहीं अभिनव सिन्हा जवाहर नवोदय विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता सुकांत सिन्हा हैं और उनका घर चिपसांगन गांव में स्थित है। दो प्रतिभाशाली छात्रों की असमय मृत्यु से चिपसांगन और पांचग्राम क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। स्कूल के शिक्षक, छात्र और स्थानीय निवासी इस घटना से बेहद दुखी हैं। कई लोगों को रोते हुए देखा गया। सभी ने इस घटना को अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में क्षेत्र के विभिन्न जलाशयों में पानी का स्तर और गहराई खतरनाक रूप से बढ.जाती है, जिससे बच्चों और किशोरों के लिए बडे.हादसों की आशंका बनी रहती है। इसलिए प्रशासन से जलाशयों के आसपास सुरक्षा संबंधी उचित व्यवस्था करने की मांग भी उठाई गई है। दो किशोरों की असामयिक मृत्यु से पूरा हाइलाकांदी जिला शोक में डूब गया है।

धोलाई में बजरंग दल द्वारा 'हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव' आयोजित

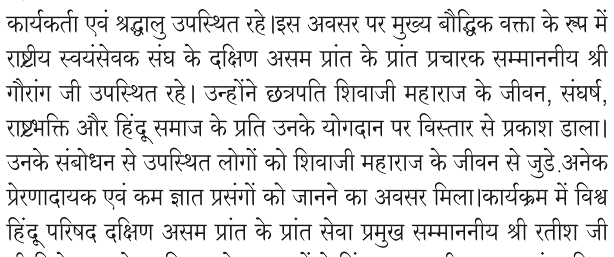

प्रे.सं. शिलचर, २९ मई : बजरंग दल दक्षिण कछार जिला की ओर से धोलाई प्रखंड के भागा बाजार स्थित काली मंदिर परिसर में 'हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।इस अवसर पर मुख्य बौद्धिक वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दक्षिण असम प्रांत के प्रांत प्रचारक सम्माननीय श्री गौरांग जी उपस्थित रहे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और हिंदू समाज के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके संबोधन से उपस्थित लोगों को शिवाजी महाराज के जीवन से जुडे.अनेक प्रेरणादायक एवं कम ज्ञात प्रसंगों को जानने का अवसर मिला।कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद दक्षिण असम प्रांत के प्रांत सेवा प्रमुख सम्माननीय श्री रतीश जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रसेवा के महत्व पर जोर दिया।कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण रहा तथा अंत में सभी उपस्थित लोगों ने हिंदू समाज की एकजुटता और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

गुवाहाटी में अरुणाचल सरकार की गाडी ट्रक से टकराई, महिला समेत चार की मौत

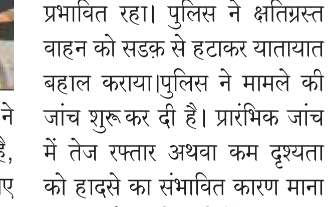

गुवाहाटी, २९ मई, (हि.स.)। गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र डिमोरिया में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को हुए एक भीषण सडक़ हादसे में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब अरुणाचल प्रदेश सरकार का एक वाहन सडक़ किनारे खडे.ट्रक से पीछे से जा टकराया।फिलहाल, इस घटना में मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरकारी वाहन तेज रफ्तार में था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सडक़ किनारे खडे.खडे. ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य चलाकर वाहन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया। बाद में सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।हादसे के कारण कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को सडक़ से हटाकर यातायात बहाल कराया।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार अथवा कम दृश्यता को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

असम समझौते की धारा-६ के अंतर्गत मणिपुरी मीतैई समुदाय को शामिल करने के लिए धरना-प्रदर्शन

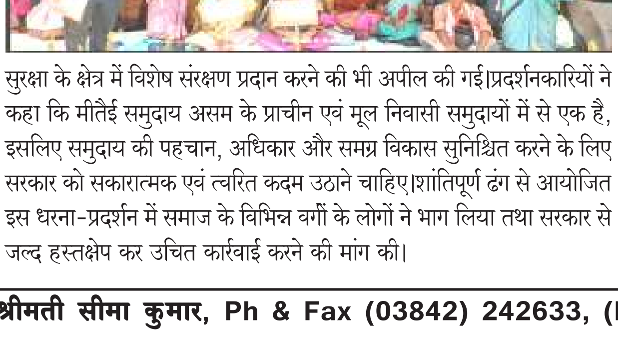

प्रे.सं. शिलचर, २९ मई : असम समझौते की धारा-६ के अंतर्गत मणिपुरी मीतैई (मैतेई) समुदाय को शामिल करने की मांग को लेकर गुरुवार को शिलचर में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन ऑल असम इंडिजिनस मीतैई एसोसिएशन तथा ऑल असम मीतैई वूमेन प्रोटेक्शन एंड डेवलपमेंट कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।प्रदर्शनकारी संगठनों ने कहा कि असम में निवासरत मीतैई समुदाय लंबे समय से अपने संवैधानिक अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और पहचान की मांग को लेकर आवाज उठाता आ रहा है। उनका आरोप है कि असम समझौते की धारा-६ के तहत अन्य खीलंजिया समुदायों के लिए संवैधानिक संरक्षण और विकास संबंधी विभिन्न प्रावधान किए गए हैं, लेकिन मीतैई समुदाय अब तक इन सुविधाओं से वंचित है।धरना स्थल से मुख्यमंत्री क्क्षारपींर इळ्रीिर डशीर से मांग की गई कि मीतैई समुदाय को शीघ्र धारा-६ के अंतर्गत शामिल किया जाए। साथ ही शिक्षा, भाषा, संस्कृति और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में विशेष संरक्षण प्रदान करने की भी अपील की गई।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मीतैई समुदाय असम के प्राचीन एवं मूल निवासी समुदायों में से एक है, इसलिए समुदाय की पहचान, अधिकार और समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार को सकारात्मक एवं त्वरित कदम उठाने चाहिए।शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित इस धरना-प्रदर्शन में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया तथा सरकार से जल्द हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512